तापमान
अधिकतम 43.7 डिग्री
न्यूनतम 18.1 डिग्री

हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, रविवार, 20 अप्रैल 2025

11 इंडस पब्लिक स्कूल में होनहार छात्र सम्मानित

12 नवाचार से ही होगा रोजगार का रास्ता प्रशस्त ...

MATRIX CLASSES
... Run by IITian
IIT-JEE (MAIN & ADVANCE)
MEDICAL NEET (UG)
FOUNDATION (HTSE, KVPY & OLYMPIAD)
ONLY 30 SEATS FOR EACH CLASSES
REGULAR ADMISSION OPEN FOR: VII TO XII
FREE TUITION CLASSES FOR STUDENTS OF OUR INSTITUTE AT EVENING TIME
SCHOOLING & COMPETITIVE COACHING AT ONE PLACE
Director:- Mr. Muneem Bhar
(IIT MADRAS, AIR - 163)
Opp. Chhotu Ram Stadium, Basant Vihar, Gali No.3, Sonepat Road, Rohtak | M. : 92533-22220, 9813840432

शहर में आज

- अंबेडकर चौक पर रक्तदान शिविर का आयोजन
- नगर पालिका कर्मचारी संघ का आंदोलन

खबर संक्षेप

इयूटी पर जा रहे फैक्ट्री कर्मी की हादसे में मौत

महम। हिसार रोहतक रोड पर खरकड़ा गांव के एक पास एक वाहन का टायर फटने से रोहतक फैक्ट्री में ड्यूटी पर जा रहे एक कर्मचारी की मौत हो गई। महम थाने में पुलिस को दी शिकायत में हिसार जिले के सिंघवा खास गांव निवासी प्रदीप पुत्र राजबिजेंद्र ने बताया कि वह स्वास्थ्य विभाग हिसार में कार्यरत है। वे उसका भाई संदीप रोहतक में नट बोल्ट की फैक्ट्री में नौकरी करता था। शाम को उसका भाई फैक्ट्री में जाने के लिए आया था। रोहतक जाने के लिए वह महम के पुराने बस अड्डे पर इक्को गाड़ी में बैठा था। इक्को को खरकड़ा गांव का विक्रम पुत्र जगदीश चला रहा था। गाड़ी का टायर फटा गया और गाड़ी पलट गई। हादसे में भाई की मौत हो गई। चालक विक्रम पुत्र जगदीश के खिलाफ धाराओं के तहत केस दर्ज कर लिया है।

सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत

सांपला। सांपला कुलताना मार्ग पर शनिवार की रात को सड़क हादसे में एक बाइक सवार की मौत हो गई। मृतक की पहचान यूपी निवासी पुनीत के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके साथी शिवजी कुमार के बयान पर अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी हैं।

राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए आवेदन आमंत्रित किए

रोहतक। भारत में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) ने पिछले 5 दशकों में जबरदस्त विकास किया है। साथ ही गुणवतापूर्वक उत्पादन, निर्यात, नवाचार और उत्पाद और प्रक्रिया विकास के मामले में भी प्रगति दर्ज की है। उद्यमशीलता के प्रयासों से कई वस्तुओं का उत्पादन संभव हो पाया है, जिन्हें अब तक आयात किया जाता था। पुरस्कार के ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 13 मई 2025 है।

जवाहर लाल नेहरू नहर में कई दिन से नहीं आ रहा है पानी ▶▶ मेयर बोले, मंगलवार को प्रशासन के साथ करेंगे मीटिंग

शहर में पेयजल को लेकर हाहाकार, लोग सड़कों पर उतरे

- अधिकतर जगह एक समय पर भी सप्लाई नहीं बिजली कट जाए तो वो भी मिलना मुश्किल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

गर्मी ने अभी ठीक से दस्तक भी नहीं दी है कि पीने के पानी को लेकर हा-हाकार मचने लगा है। शहर में पिछले कई दिनों से अधिकतर कॉलोनियों में एक समय ही सप्लाई जा रही है। शाम के समय दर्जनों कॉलोनियों में पानी की सप्लाई नहीं दी जा रही। हालात ऐसे हैं कि सुखपुरा, राजेंद्र नगर, लाढ़ौत रोड, बसंत विहार, शास्त्री नगर, उत्तम विहार, बसंत विहार, आजादगढ़, वैशाली कॉलोनी, कमल कॉलोनी, तिलक नगर में एक समय भी सही ढंग से पानी की सप्लाई नहीं दी जा रही। लोग अब सड़कों पर उतरकर विरोध जताने लगे हैं। जवाहर लाल नेहरू नहर में कई दिन से पानी नहीं आ रहा है। जलघरों में पानी भरा हुआ है लेकिन जब से नहर में आपूर्ति बंद हुई है, तभी से शहर के कुछ इलाकों में एक समय ही पानी की सप्लाई दी जा रही है। कुछ जगहों पर शुरू में दूषित पानी आता है, उसके कुछ देर बाद साफ पानी सप्लाई में आता है। ग्रामीण इलाकों में तीन दिन छोड़कर ही पानी की सप्लाई दी जा रही है। ऐसे में आमजन को महंगे दामों पर बाहर से ही पानी खरीदकर पीना पड़ रहा है।

पानी के लिए रोड जाम करते आजाद गढ़- उत्तम विहार के लोग

यहां भी नहीं मिल पा रहा पानी

पुराना बस अड्डा एरिया, देव कॉलोनी, विशाल नगर, जनता कॉलोनी और सुनारिया चौक क्षेत्र में भी पेयजल की किल्लत बनी हुई है। यहां लगने वाले बिजली कट के कारण एक समय भी पानी सप्लाई नहीं हो रहा है। इससे लोगों को पानी खरीदना पड़ रहा है। लाइट न होने के कारण मोटर नहीं चल पाती है। शहर के अशोक नगर, गोहाना अड्डा, तेज कॉलोनी, हनुमान कॉलोनी, कबीर कॉलोनी, प्रेम नगर, विकास नगर, आजाद नगर, लक्ष्मी नगर, सूर्या कॉलोनी, टीबी अस्पताल के सामने वाली गली में पानी की सप्लाई नाम मात्र आ रही है। इसके साथ ही ग्रामीण एरिया गढ़ी बोहर, माजरा, खेड़ी साध, बोहर व बलियाना में यह समस्या बनी हुई है।

अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे

डीसी सहित अन्य अधिकारियों के साथ मंगलवार को मीटिंग की जाएगी। इससे पहले हुई अधिकारियों की मीटिंग में पेयजल सम्बंधित समस्याओं के निवारण के लिए कहा गया था। अब होने वाली मीटिंग में पेयजल की समस्या का समाधान करवाया जाएगा। इसके अलावा लोक निर्माण एवं जनस्वास्थ्य विभाग मंत्री रणबीर गंगवा से भी बातचीत हुई है। आने वाले दिनों में पानी की समस्या नहीं रहेगी। -रामअवतार वाल्मीकि, मेयर

हैंडपंप का सहारा

वार्ड नंबर 21 कव्हेली रोड के लोगों को एक किलोमीटर दूर स्थित हैंडपंप से पानी भरकर लाना पड़ता है। किसी एरिया में पानी की सप्लाई नहीं आ रही तो कहीं गंदे पानी की सप्लाई आ रही है। समाजसेवी जसबीर सिंह ने बताया कि लोगों ने इसकी शिकायत समाधान शिविर में भी की है।

आजादगढ़ और उत्तम विहार के निवासियों ने पानी की किल्लत को लेकर लगाया जाम

रोहतक। आजाद गढ़ और उत्तम विहार के निवासियों ने पानी की समस्या को लेकर शनिवार को बस अड्डा बाईपास पर जाम लगा दिया। जाम की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझाने का प्रयास किया। लोगों ने काफी देर के बाद जाम खोला। इस दौरान स्थानीय लोगों ने बताया कि एक माह से पीने के पानी की सप्लाई नहीं आ रही। अधिकारी शिकायतों पर कार्रवाई नहीं करते, जिससे लोगों में रोष व्याप्त है। प्रदर्शनकारियों ने इस दौरान नारेबाजी कर विरोध जताया। उनका कहना है कि पानी की समस्या से उनका दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि समस्या का शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। आजादगढ़ निवासी राम निवास ने बताया कि उनके एरिया में काफी दिन से पानी की सप्लाई नहीं हो रही हैं। बिना पानी के कॉलोनीवासी परेशान है। पानी न होने की वजह से घर व कॉलोनी में गंदगी फैल रही है। भयंकर गर्मी है फिर भी पानी की सप्लाई नहीं की जा रही है। कही कोई सुनवाई नहीं हो रही है। वे जिला प्रशासन से मांग कर रहे है कि हमारी समस्या का तुरंत समाधान किया जाए और कॉलोनी में पानी की समुचित सप्लाई की जाए। प्रदर्शन में महिलाएं भी शामिल रही। इस दौरान सुमन, धर्मबीर सिंह, रश्मी, परदीप, रणबीर नांदल, राजबाला, रामनिवास, मनीषा, मुकेश, सीमा, गीता, पवन मलिक, परमिला, परदीप, सुनीता, कृष्ण, नसीब, प्रवीन, गीता देवी, अंजू आदि मौजूद रहे।

रोहतक। जेई को पानी की समस्या बतातें आजाद गढ़- उत्तम विहार के लोग।

सांपला। शिक्षा विभाग की टीम गैर मान्यता स्कूल पर ताला लगवाते हुए। फोटो : हरिभूमि

नौनंद में चल रहे गैर मान्यता स्कूल पर लगाया ताला

सांपला। गैर मान्यता प्राप्त स्कूलों पर अब शिक्षा विभाग कड़ी कार्रवाई करते हुए इन्हें बंद कराने में लगा हुआ है। इसी कड़ी में शनिवार को शिक्षा विभाग ने नौनंद में चल रहे एक गैर मान्यता प्राप्त स्कूल को बंद कराया है। स्कूल के बिना मान्यता चलने की सूचना पिछले दिनों विभाग को मिली थी। जिसके बाद पाकस्मा क्लस्टर इंचार्ज सुभाष सांगवान व वीना देवी पुलिस बल को लेकर स्कूल पहुंचे। शिक्षा विभाग की टीम ने मौके पर जांच के उपरांत यह कार्रवाई की है। इलाके में प्रशासन द्वारा गैर मान्यता प्राप्त स्कूलों को बंद करने के आदेश दिए हुए हैं। उसके बाद भी कई गैर मान्यता प्राप्त स्कूल संचालक सरकार के आदेश नहीं मान रहे हैं। लोगों का कहना है कि मकानों में चला रहे स्कूल संचालक गेट बंद करके रखते हैं। ताकि पता न चल सके। यह भी बताया गया है कि दोपहर बाद भी स्कूल लगाया जा रहा है ताकि प्रशासन ये समझे की स्कूल बंद है। ग्रामीणों ने ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

- मकानों में चला रहे स्कूल संचालक गेट बंद करके रखते हैं

इंदिरा कॉलोनी में नशा तस्करों को पकड़ने गए पुलिस जवान पर हमला, वर्दी भी फाड़ी

रोहतक। इंदिरा कॉलोनी में शनिवार को कुछ लोगों ने पुलिस के साथ हाथापाई की और एक कर्मचारी की वर्दी फाड़ दी। इसके बाद माहौल तनावपूर्ण हो गया। हंगामे की सूचना मिलने पर अन्य पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और कार्रवाई शुरू कर दी। इस दौरान काफी देर तक विवाद होता रहा और दोनों पक्ष एक दूसरे पर आरोप लगाते रहे। पुलिस इस दौरान नशा तस्करी के शक में कुछ लोगों को पकड़ने गई थी। जानकारी के अनुसार, करतारपुरा, इंदिरा कॉलोनी एरिया में कुछ लोग नशा तस्करी करते हैं। इस वजह से पुलिस ने यहां नाकाबंदी की हुई है, जहां से आने जाने वाले लोगों की जांच पड़ताल की जाती है। पुलिस इस दौरान शक के आधार पर नशा बेचने वालों को पकड़ने का प्रयास कर रही थी तो कुछ लोगों ने सिपाही आशीष पर हमला कर दिया। उनके साथ न केवल मारपीट की गई बल्कि वर्दी भी फाड़ दी गई। पुलिस ने आरोपियों पर कार्रवाई शुरू कर दी है। वहीं आरोपी पक्ष का कहना है कि पहले उनके पिता के साथ पुलिस कर्मियों ने मारपीट की है।

कार्रवाई की जा रही: इस मामले में सिटी थाना प्रभारी राजकुमार ने बताया कि नाकाबंदी के दौरान पुलिस संदिग्धों की चेकिंग करती है। इस दौरान कुछ लोगों को रुकवाया गया तो उन्होंने जवानों के साथ हाथापाई कर दुर्व्यवहार किया। इस मामले में आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

BACHPAN PLAY SCHOOL
In Collaboration with
Aakashdeep Duhan Science Institute
Bachpan
PLAY GROUP • NURSERY • K.G.
Offer Valid till 21st April 2025
IIT/JEE ADVANCED 2024 में दुहन पब्लिक रेजिडेंशियल स्कूल के तीन बच्चों ने मारी बाजी
IIT/JEE MAINS QUALIFIED 2024 आकाशदीप दुहन साइंस इंस्टीट्यूट के 16 छात्रों में से 15 ने क्वालिफाइड किया।
First time in Rohtak JEE Main-Qualified 15 Out of 16 Students Batch
ADMISSION OPEN 11th Class(All Stream) Session: 2025-26
IIT-JEE, NEET (UG) Class 6 to 12 (CBSE) Arts, Commerce & Science
SPECIAL OFFER in this week for Admission
NO ADMISSION CHARGES
1200+ Schools Nationwide | 360 Degree App | Speak-O-Books & Pen | Virtual Reality Education | Robotics Lab | E-Classrooms
ADMISSION OPEN-2025-26
JAI KAUSHIK NDA - 2024 SSB QUALIFIED
RIYA, JONTY & BHARAT NDA - 2024
SAKSHI BAZAR
RAKHI HOODA
NDA - 2023
NDA - 2022
Admission Start from 1st to 5th Class also in Duhan Vatika Basant Vihar, Rohtak
Kyunki bachpan sirf ek baar aata hai
www.bachpanglobal.com
DUHAN PUBLIC RESIDENTIAL SCHOOL, JASSIA
AAKASHDEEP DUHAN SCIENCE INSTITUTE
3 सालों में CBSE में (10+2) साइंस में लगातार टॉप करने वाला पहला स्कूल
IIT/JEE ADVANCE 2024
Mr. ANSH DUHAN S/o Dr. Ashok Duhan AIR Rank : 11002
RISHABH With Dr. Ashok Duhan Sir CRL : 17548, OBC_NCL:4315
YASH LAMBA With Dr. Ashok Duhan Sir CRL : 11852
JAI KAUSHIK NDA - 2024 SSB QUALIFIED
NEET QUALIFIED BATCH 2024
ANSH DUHAN S/O DR. ASHOK DUHAN NEET - 2024(MBBS)
SUHANI DUHAN D/O DR. ASHOK DUHAN NEET - 2024(MBBS)
ANKITA NEET - 2024(MBBS) Marks : 601/720(SC-A)
SANJEET BHARDWAJ NEET - 2024(MBBS) Marks : 886/720
ARYAN MALIK IMUCAT -2024 MARCHANT NAVY
SAGAR JOIN : VETERINARY SURGEON (2024)
YUVRAJ VERMA NEET 2024 - QUALIFIE SCORE : 660(MBBS)
IIT/JEE Mains 2025 Qualified
BRANCH 1
BASANT VIHAR, GALI NO. 1, SHEELA BYE PASS, SONIPAT ROAD, ROHTAK
BARNCH 2- KATH MANDI, JHAJJAR ROAD, ROHTAK, M. 7056765951
DR ASHOK DUHAN (Chairman) M. 9416148363
DR SUNITA DUHAN (Director) M. 9416864945

वीसी ने किया उद्घाटन | **गंभीर रोगियों के इलाज में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी**

पीजीआई को मिली मेडिसिन विभाग के आईसीयू व डिपार्टमेंट ऑफ पीडियाट्रिक पल्मनोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर की सौगात

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एचके अग्रवाल ने शनिवार को मेडिसिन विभाग के आईसीयू व डिपार्टमेंट ऑफ़ पीडियाट्रिक पल्मनोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर का उद्घाटन करके प्रदेशवासियों को बहुत बड़ी सौगात दी है। उद्घाटन समारोह में निदेशक डॉ. एसके सिंघल और चिकित्सा अधीक्षक डॉ. कुंदन मित्तल भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर उपस्थित चिकित्सकों व कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कुलपति डॉ. एचके अग्रवाल ने कहा कि उन्हें खुशी है कि उन्हें आज यह गंभीर मरीजों के हित में इतनी बड़ी सुविधा का उद्घाटन करने का अवसर प्राप्त हुआ है। यह नई सुविधा बच्चों और वयस्कों दोनों के लिए उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा देखभाल प्रदान करेगी, विशेष रूप से फेफड़ों और श्वसन संबंधी समस्याओं के लिए। डॉ. एचके अग्रवाल ने कहा कि यह नई सुविधा स्वास्थ्य सेवाओं में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है और इससे क्षेत्र के लोगों को बहुत लाभ होगा। पीडियाट्रिक पल्मनोलॉजी इंटेंसिव केयर विभाग और मेडिकल मेडिसिन आईसीयू का उद्घाटन करके, हम अपने क्षेत्र के लोगों को विश्व स्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

रोहतक। मेडिसिन विभाग के आईसीयू व डिपार्टमेंट ऑफ़ पीडियाट्रिक पल्मनोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर का उद्घाटन करते वीसी डॉ. अग्रवाल व निदेशक डॉ. सिंघल।

पूरे प्रदेश से आते हैं मरीज: डॉ मित्तल

चिकित्सा अधीक्षक डॉ. कुंदन मित्तल ने बताया कि संस्थान में पूरे प्रदेश से गंभीर हालत में बच्चे आते हैं ऐसे में यह 30 बेड के बाल चिकित्सा पल्मोनोलॉजी और आईसीयू विभाग एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। डॉ. कुंदन मित्तल ने कहा कि यह नई सुविधा न केवल स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार करेगी, बल्कि क्षेत्र के लोगों को अपने घर के पास उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा देखभाल प्राप्त करने का अवसर भी प्रदान करेगी। इससे लोगों को बड़े शहरों में जाने की आवश्यकता नहीं होगी और वे अपने परिवार के साथ रहते हुए ही उचित चिकित्सा देखभाल प्राप्त कर सकेंगे।

हाइब्रिड फंड्स हो सकते हैं निवेश के बढ़िया विकल्प

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

- बाजार में उथल-पुथल होने पर निवेशक घबरा जाते हैं
- प्योर इक्विटी फंड्स में पैसे लगाने से कतराने लगते हैं
- ऐसे समय में हाइब्रिड फंड्स अच्छा रिटर्न देने में सक्षम

इस समय देश के इक्विटी मार्केट में भारी उतार-चढ़ाव का दौर काफी समय से जारी है। हाल ही में अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा शुरू किए गए टैरिफ वॉर ने इसे और हवा दे दी है। इस माहौल में कई निवेशकों को प्योर इक्विटी फंड्स में निवेश करना बहुत जोखिम भरा लगने लगा है। उनके मन में यह सवाल हो सकता है कि ऐसा कौन सा विकल्प है, जहां कम रिस्क में बेहतर रिटर्न मिलने की गुंजाइश हो सकती है? उनके इस सवाल का एक जवाब हाइब्रिड म्यूचुअल फंड्स में भी मिल सकता है। हाइब्रिड म्यूचुअल फंड्स के जरिये एक ही स्कीम में पैसे लगाकर इक्विटी, डेट और कई बार गोल्ड जैसे एसेट्स में भी निवेश किया जा सकता है। इस डायवर्सिफिकेशन की वजह से रिस्क और रिटर्न के बीच बेहतर बैलेंस बना रहता है। बाजार की गिरावट के दौरान डेट में किया गया निवेश सुरक्षा देता है और जब बाजार चढ़ता है तो इक्विटी से रिटर्न बढ़ते हैं। हाइब्रिड फंड्स भी कई अलग-अलग कैटेगरी में बंटे होते हैं, जिनमें निवेशक अपने निवेश के लक्ष्य, इनवेस्टमेंट होराइजन और रिस्क लेने की क्षमता के आधार पर सही फंड का चुनाव कर सकते हैं। हाइब्रिड फंड्स की प्रमुख कैटेगरी की खूबियों के साथ-साथ उनके टॉप फंड्स के पिछले 1 साल, 3 साल और 5 साल के रिटर्न की रेंज का जिक्र किया है, ताकि उनके बारे में निवेशकों को शुरुआती आइडिया मिल जाए।

टॉप 5 फंड्स का पिछला रिटर्न

कंजर्वेटिव हाइब्रिड फंड : कम रिस्क में स्टेबल रिटर्न
अगर आप रिस्क से बचते हुए फिक्स्ड डिपॉजिट से थोड़ा बेहतर रिटर्न चाहते हैं, तो कंजर्वेटिव हाइब्रिड फंड्स आपके लिए सही विकल्प हो सकते हैं। इनमें 75-90 फीसदी निवेश डेट इंस्ट्रूमेंट्स में होता है और केवल 10-25 फीसदी इक्विटी में लगाया जाता है। ऐसे फंड्स तीन साल या उससे अधिक समय के निवेश के लिए बेहतर रहते हैं।

पिछला रिटर्न

- 1 साल में : 10.75 % से 11.45%
- 3 साल में : 10.22 % से 11.78 %
- 5 साल में :13.11% से 14.15%
- रिस्क लेवल : मॉडरेटली हाई

बैलेंस्ड हाइब्रिड फंड्स इक्विटी और डेट का बेहतर संतुलन
जो निवेशक बेहतर रिटर्न के लिए थोड़ा बहुत रिस्क ले सकते हैं, उनके लिए बैलेंस्ड हाइब्रिड फंड्स बेहतर विकल्प हैं. इनमें इक्विटी और डेट का हिस्सा लगभग 50:50 होता है। हालांकि फिलहाल इस कैटेगरी में स्कीम्स की संख्या सिर्फ 2 है।

पिछला रिटर्न

- 1 साल में :10.56% से 11.59%
- 3 साल में: कोई फंड नहीं
- 5 साल में: कोई फंड नहीं
- रिस्क लेवल : मॉडरेटली हाई से बहुत अधिक

डायनैमिक एसेट एलोकेशन फंड्स (बीएएफ): एक्टिव स्ट्रैटजी का फायदा : जो निवेशक बाजार की स्थिति के अनुसार अपने पोर्टफोलियो का संतुलन बदलते रहना चाहते हैं, उनके लिए डायनैमिक एसेट एलोकेशन या बैलेंस्ड एडवांटेज फंड बेहतर साबित हो सकते हैं। ये फंड बाजार की चाल के अनुसार इक्विटी और डेट में 0 से 100 प्रतिशत तक का संतुलन बनाते हैं। हालांकि इनमें जोखिम ज्यादा होता है, लेकिन लंबे समय में अच्छे रिटर्न की संभावना भी होती है। इनमें कम से कम 5 साल या उससे ज्यादा समय के लिए निवेश करना बेहतर रहता है।

पिछला रिटर्न

- 1 साल में 10.51% to 13.12%
- 3 साल में: 12.84% to 19.19%
- 5 साल में: 17.34% to 26.49%

रिस्क लेवल : बहुत अधिक

मल्टी एसेट एलोकेशन फंड्स: डायवर्सिफिकेशन पर जोर
अगर आप अपने निवेश को अलग-अलग एसेट क्लासेज जैसे इक्विटी, डेट और गोल्ड में बांटना चाहते हैं, तो मल्टी एसेट फंड बेहतरीन विकल्प हैं। इस कैटेगरी के फंड्स में तीनों एसेट में कम से कम 10% निवेश किया जाता है। इनमें कम से कम 5 साल या उससे ज्यादा समय के लिए निवेश करना बेहतर रहता है।

पिछला रिटर्न

- 1 साल में: 11.74% to 16.38%
- 3 साल में: 14.31% to 18.11%
- 5 साल में: 18.99% to 31.87%
- रिस्क लेवल : अधिक से बहुत अधिक

इक्विटी सेविंग्स फंड्स: टैक्स सेविंग के साथ स्टेबल इनकम
टैक्स एफिशिएंट और स्टेबल रिटर्न चाहने वाले निवेशकों के लिए इक्विटी सेविंग्स फंड सही विकल्प हैं। इनमें इक्विटी, डेट और आर्बिट्राज का मिक्स होता है। इनमें कम से कम 3 साल या उससे ज्यादा समय के लिए निवेश करना बेहतर रहता है।

पिछला रिटर्न

- 1 साल में: 9.54% to 11.59%
- 3 साल में: 11.01% to 11.96%
- 5 साल में: 14.56 % to 16.62%
- रिस्क लेवल : मॉडरेट से मॉडरेटली हाई

आर्बिट्राज फंड्स: शॉर्ट टर्म और टैक्स एफीशिएंट
अगर आप कुछ महीनों के लिए पैसे पार्क करना चाहते हैं और टैक्स भी कम देना चाहते हैं, तो आर्बिट्राज फंड सही विकल्प हो सकते हैं। इनमें रिस्क काफी कम होता है और रिटर्न भी एफडी जैसे हो सकते हैं। इनमें कुछ महीनों से लेकर 1 साल तक के लिए निवेश करना बेहतर माना जाता है।

पिछला रिटर्न

- 1 साल में: 7.96% to 8.03%
- 3 साल में: 7.41% to 7.66%
- 5 साल में: 6.20% to 6.34%
- रिस्क लेवल : कम जोखिम

एग्रेसिव हाइब्रिड फंड : डेट के कुशन के साथ इक्विटी में निवेश
जो निवेशक पहली बार इक्विटी में निवेश शुरू करना चाहते हैं लेकिन सीधे प्योर इक्विटी फंड में जाने से घबराते हैं, उनके लिए एग्रेसिव हाइब्रिड फंड बेहतर विकल्प हो सकते हैं। इनका 65% से 80% तक निवेश इक्विटी में और बाकी डेट में होता है। इनमें रिस्क बाकी हाइब्रिड फंड्स के मुकाबले अधिक होता है, लेकिन बेहतर रिटर्न मिलने की गुंजाइश भी रहती है।

पिछला रिटर्न

- 1 साल में: 11.85% to 17.29%
- 3 साल में: 16.08% to 20.75%
- 5 साल में: 24.56% to 29.34%
- रिस्क लेवल : बहुत अधिक

अपने लिए चुनें सही हाइब्रिड फंड : बाजार की उथल-पुथल के बीच हाइब्रिड फंड्स आपके आर्थिक उद्देश्यों के मुताबिक लॉन्ग टर्म इनवेस्टमेंट के लिए एक स्मार्ट ऑप्शन हो सकते हैं। हर कैटेगरी का रिस्क-रिटर्न प्रोफाइल अलग है, इसलिए फंड कैटेगरी को सावधानी के साथ चुनें।

क्या म्यूचुअल फंड में निवेश सबके लिए सही

अलर्ट
बिजनेस डेस्क

- अगर आप भी एसआईपी के जरिये निवेश कर रहे हैं तो जान कुछ बातें
- म्यूचुअल फंड के 80% निवेशकों को नहीं पता है कि वह कहां लगा रहे पैसा
- उसका फंड मैनेजर कौन है, पूछेंगे तो सिर्फ यही बोलेंगे कि एसआईपी कर रहे

अक्सर सुनने में आता है कि सिस्टेमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआई) के जरिये निवेश करना सबसे बेहतर तरीका होता है। लेकिन ऐसा क्यों है। इस पर कोई विचार नहीं करता, जबकि निवेश करने से पहले पता होना चाहिए कि एसआईपी के जरिये निवेश क्यों सही है। यदि यह जानकारी आपको नहीं है तो नुकसान भी हो सकता है। निवेश करने के बाद स्कीम का परफॉर्मेंस भी समय-समय पर जांचना भी जरूरी होता है। टीवी, रेडियो, ऑनलाइन और सोशल मीडिया के जरिये 'म्यूचुअल फंड सही है' का स्लोगन हम सभी ने जरूर सुना है। आए दिन कोई न कोई क्रिकेटर, बॉलीवुड स्टार या दूसरे फिल्ड के सेलिब्रिटी म्यूचुअल फंड का प्रचार करते दिख जाते हैं। म्यूचुअल फंड सही है। लेकिन, क्या वकई में म्यूचुअल फंड सभी के लिए बिल्कुल सही है? इसका जवाब है नहीं। म्यूचुअल फंड सभी के लिए सही नहीं है। अगर आपका लक्ष्य छोटा है या उम्र अधिक है तो म्यूचुअल फंड सही नहीं है। बाजार में मौजूदा गिरावट के बाद कई लोगों का म्यूचुअल फंड का रिटर्न 3 साल बाद भी निगेटिव हो गया है। इस रिपोर्ट के जरिये हम आपको बताएंगे कि किसके लिए म्यूचुअल फंड सही हैं और किसके लिए नहीं।

एसआईपी के फायदे

- **नियमित निवेश:** एसआईपी आपको नियमित रूप से निवेश करने की अनुमति देता है, जो आपके निवेश लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर सकता है।
- **रुपये कॉस्ट एवरेजिंग:** एसआईपी आपको रुपये कॉस्ट एवरेजिंग का लाभ उठाने की अनुमति देता है, जिसमें आप बाजार की उतार-चढ़ाव के बावजूद नियमित रूप से निवेश करते हैं।
- **निवेश अनुशासन:** एसआईपी आपको निवेश अनुशासन बनाए रखने में मदद कर सकता है, जो आपके निवेश लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर सकता है।
- **लंबी अवधि के लिए निवेश:** एसआईपी आपको लंबी अवधि के लिए निवेश करने की अनुमति देता है, जो आपके निवेश लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर सकता है।

एसआईपी के प्रकार : म्यूचुअल फंड एसआईपी: म्यूचुअल फंड एसआईपी में आप नियमित रूप से म्यूचुअल फंड में निवेश करते हैं। **स्टॉक एसआईपी:** स्टॉक एसआईपी में आप नियमित रूप से स्टॉक में निवेश करते हैं।

आंख मूंद कर निवेश नहीं करें

म्यूचुअल फंड में निवेश करने वाले 80% निवेशकों को नहीं पता है कि वह किस फंड में निवेश कर रहे हैं। उसका फंड मैनेजर कौन है? पूछेंगे तो बोलेंगे कि हम तो एसआईपी कर रहे हैं, जबकि एसआईपी एक जरिया है म्यूचुअल फंड में निवेश करने का। इसलिए म्यूचुअल फंड में निवेश करने से पहले जानकारी जुटाएं। किसी की सलाह पर सुनी सुनाई बातों पर निवेश न कर दें। म्यूचुअल फंड में सही फंड का चुनाव करना बहुत जरूरी है। ऐसा नहीं करने पर नुकसान उठाना होगा। सही फंड चुनने के लिए आपको बाजार को समझना होगा। निवेश के तरीकों और अपने लक्ष्य को देखना होगा। यह जानना जरूरी है कि हम निवेश क्यों और किस लिए कर रहे हैं। इसलिए निवेश करते समय एक बार पूरी जानकारी जुटाएं।

रिटर्न निवेश का पैमाना नहीं

लोग अक्सर सोचते हैं कि जो फंड अभी सबसे अच्छा प्रदर्शन कर रहा है, वही उनके लिए सही रहेगा। लेकिन हर म्यूचुअल फंड स्कीम अलग होती है। अगर उस स्कीम का इंवेस्टमेंट ऑब्जेक्टिव और रिस्क प्रोफाइल आपकी जरूरतों से मेल नहीं खाता, तो वह फंड आपके लिए सही नहीं है। इसलिए इन बातों का ध्यान रखना जरूरी है वरना आप झटका भी खा सकते हैं।

स्कीम को जरूर जांचें

यह जरूरी है कि आप फंड हाउस की इंवेस्टमेंट स्ट्रैटेजी, फंड मैनेजर की योग्यता, और रिस्क मैनेजमेंट प्रोसेस को भी समझें। एक ही कैटेगरी में अलग-अलग स्कीम्स का प्रदर्शन अलग हो सकता है। कोई भी निवेश करने से पहले एक बार स्कीम को जरूर जांच लें। उसके प्रदर्शन पर नजर रखें और समीक्षा करते रहें।

निगरानी करना सीखें

सही स्कीम चुन लेना ही काफी नहीं। निवेश के बाद स्कीम का परफॉर्मेंस समय-समय पर जांचना भी जरूरी है। समय-समय पर देखें कि क्या फंड आपके लक्ष्य के अनुसार चल रहा है? अगर नहीं तो उसमें बदलाव करें। अगर ये पांच काम आप कर सकते हैं तो ही म्यूचुअल फंड में निवेश करें। आप अपने पैसे को सुरक्षित भी रख पाएंगे और सही रिटर्न भी ले पाएंगे। अन्यथा आप फिक्स्ड इनकम प्रोडक्ट में निवेश करें।

जोखिम लेने की क्षमता है तो ही निवेश करें

अगर आपमें जोखिम लेने की क्षमता है तो ही म्यूचुअल फंड में एसआईपी के जरिय निवेश करें। म्यूचुअल फंड निवेश पर मार्केट रिस्क, लिक्विडिटी रिस्क, क्रेडिट रिस्क, जीडीपी ग्रोथ रिस्क आदि होता है। अगर आप जोखिम लेने की क्षमता रखते हैं तो ही निवेश करें। अन्यथा बैंक एफडी, पीपीएफ, आरडी या दूसरी फिक्स्ड इनकम इन्वेस्टमेंट स्कीम में निवेश करें। इससे आपको नुकसान नहीं होगा और आपको रिटर्न मिलता रहेगा। भले की कुछ कम क्यों न हो।

पहला घर खरीदने के लिए करें फाइनेंशियल प्लानिंग

- कुछ टिप्स आपके आ सकते हैं काफी काम
- एक बड़ा डाउन पेमेंट दे सकता है राहत
- लोन की राशि और ब्याज के बोझ को कर सकता है कम
- संपत्ति के मूल्य का 20-30% बचाने का टारगेट रखें

तैयारी
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी अपना पहला घर खरीदने जा रहे हैं तो कुछ बातों को पल्ले बांध लें। इससे आपको घर खरीदने में आसानी रहेगे और लोन की किस्तें भी समय पर चुका पाएंगे। बस आपको कुछ टिप्स को फॉलो करना होगा। इसके बाद अपना मकान बनाने में कोई परेशानी नहीं होगी। अक्सर देखने में आता है कि जब आप पढ़ाई करते हैं फिर अपना करियर शुरू करते हैं तो इसके बाद एक घर खरीदने के सपने को पंख लगने शुरू हो जाते हैं। ज्यादातर लोगों की ख्वाहिश होती है कि एक घर अपना हो। इसके लिए आपको काफी तैयारी करनी होती है। प्लानिंग करनी होती है। तब जाकर आप अपना घर खरीद पाते हैं। अगर आप अपना पहला घर खरीदने की सोच रहे हैं तो आपको इसके लिए पहले से कुछ तैयारियां करनी चाहिए, ताकि आगे आपके लिए किसी तरह की परेशानी न आए। इसके लिए आपको कुछ खास बातों पर गौर करना चाहिए। इस रिपोर्ट में हम आपको ऐसी ही कुछ जानकारी देंगे जो आपके काफी काम आएंगी।

पहले होमवर्क करना जरूरी

घर खरीदने से पहले आपको कुछ होमवर्क करना होगा। इससे आपके कई काम आसान हो जाएंगे। सबसे पहले यह तय करें कि जो मकान खरीदने जा रहे हैं वह अप्रूव्ड है या नहीं। इसके बाद उसके सभी कागज एक बार जरूर चेक करें और किसी जानकार से भी जांच करवा लें, ताकि आपके साथ कोई धोखाधड़ी न हो सके। असली मालिक कौन है। प्रॉपर्टी कौन सी जगह है। बिल्डर सही है या नहीं आद। इसके बाद आप अपने सपनों का घर आसानी से खरीद सकेंगे।

अपनी वित्तीय क्षमता को समझें

पहला घर खरीदने के फैसले से पहले आपको अपनी वित्तीय क्षमता और अपनी वित्तीय सेहत का आकलन करना चाहिए। अपनी इनकम, खर्च और बचत तय करें। यह कैलकुलेट करें कि आप मासिक किस्त (ईएमआई) के लिए कितना फंड आराम से अलॉट कर सकते हैं। टाटा हाउसिंग के मुताबिक, सामान्य नियम यह है कि आपकी ईएमआई आपकी शुद्ध इनकम के 30% से अधिक नहीं होनी चाहिए। इससे ज्यादा होगी तो आपको बाद में दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। अपने फंड का एक बार आकलन जरूर कर लें।

डाउनपेमेंट के लिए बचत करें

घर खरीदते समय जितना संभव हो सके डाउनपेमेंट कर देना चाहिए और बाकी अमाउंट के लिए होम लोन लेना चाहिए। डाउन पेमेंट के लिए बचत करें। एक बड़ा डाउन पेमेंट आपके लोन की राशि और ब्याज के बोझ को काफी कम कर सकता है। संपत्ति के मूल्य का कम से कम 20-30% बचाने का टारगेट रखें। इस फंड को बनाने के लिए रेकरिंग डिपोजिट या सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) जैसे ऑप्शन पर विचार कर सकते हैं।

होम लोन विकल्पों को तलाशें

अगर आपको पहला घर खरीदने के लिए डाउनपेमेंट की रकम के अलावा होम लोन लेने की जरूरत हो तो अलग-अलग बैंकों या उधारदाताओं पर शोध करें, और ब्याज दरों, अवधि विकल्पों और छिपे हुए शुल्कों की तुलना जरूर करें। प्रधान मंत्री आवास योजना जैसी सरकार समर्थित योजनाएं अतिरिक्त लाभ प्रदान कर सकती हैं।

छिपे हुए खर्च का जरूर रखें ध्यान

घर खरीदने में कई बार ऐसे खर्च आपके सामने आ सकते हैं जिसके बारे में आपको शायद पहले से पता न हो। इस वजह से छिपी हुई लागतों को ध्यान में रखें। पहली बार घर या प्रॉपर्टी की लागत और संपत्ति खरीदने के लिए किसी भी लोन के अलावा, कई खर्चे सामने आएंगे जैसे स्टाम्प ड्यूटी, रजिस्ट्रेशन शुल्क, प्रॉपर्टी टैक्स और मेंटेनेंस कॉस्ट आवश्यक विचार हैं। इनके लिए बजट बनाना वित्तीय आश्चर्यों से बचाएगा।

जल्दबाजी न करें

हर इंसान चाहता है कि वह खुद के घर में रहें। खुद का घर खरीदना हर व्यक्ति के लिए बहुत ही बड़ी बात होती है। कई लोग ऐसे होते हैं, जो बैंक से होम लोन लेकर घर खरीदते हैं, तो कुछ लोग अपनी जिंदगीभर की कमाई को लगाकर घर खरीदते हैं। ऐसे में घर को खरीदते समय कभी भी जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। घर खरीदते समय ऐसी कई चीजें होती है, जिनके बारे में आपको अच्छे से जान लेना चाहिए। आपको अपनी फाइनेंशियल प्लानिंग काफी ध्यान से करनी चाहिए। फाइनेंस के अलावा भी ऐसी कई चीजें होती है, जिनके बारे में आपको ध्यान रखना चाहिए।

बचत फैक्टर फंडों का एयूएम 14,000 करोड़ से बढ़कर 2024 के अंत तक 40,000 करोड़ से अधिक हुआ, लोगों को खूब भा रहा

गुणवत्ता कारक निवेश : आधारभूत निवेश करने का एक अनुशासित तरीका, देश में अब इसके प्रति लगातार बढ़ता जा रहा है रुझान

जानकारी
प्रतीक ओसवाल

भारत में कारक-आधारित निवेश के प्रति रुझान बढ़ा है, क्योंकि निवेशक विभिन्न बाजार चक्रों के दौरान लाभ प्राप्त करने के लिए व्यवस्थित रणनीतियों की तलाश करते हैं। यह रणनीति पैसिव और ऐक्टिव निवेश के बीच के अंतर को पाटने का काम करती है, क्योंकि यह दोनों तरीकों में से सबसे उपयुक्त बातों को मिलाकर बनती है। पारंपरिक निवेश रणनीति, जो बाजार के उतार-चढ़ावों से प्रभावित हो सकती है, से अलग कारक आधारित निवेश अनुकूल विशेषताओं वाले शेयरों को पहचानने के लिए एक संरचित दृष्टिकोण देती है। भारत में फैक्टर फंडों का एयूएम पिछले वर्ष में दोगुने से अधिक हो गया है, जो एक वर्ष पहले के14,000 करोड़ रुपये की तुलना में 2024 के अंत तक 40,000 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। विभिन्न कारक रणनीतियों में से, गुणवत्ता कारक निवेश पर अक्सर उस अवधि के दौरान विचार किया जाता है जब मूल्यांकन अपने चरम पर होता है, विकास के अवसर कम हो जाते हैं, और निवेशक मजबूत बुनियादी बातों वाली कंपनियों पर ध्यान केंद्रित करके स्थिरता की तलाश करते हैं। ऐसी अवधियों में गुणवत्ता कारक अस्थिर बाजार स्थितियों में कुछ हद तक लचीलापन और स्थिरता प्रदान करके निवेशकों को अनिश्चितता का प्रबंधन करने में मदद कर सकता है। स्थिरता और विकास को संतुलित करने की इसकी क्षमता के कारण बाजार में कम विश्वास होने पर यह एक पसंदीदा रणनीति बन जाती है।

क्या है गुणवत्ता कारक

गुणवत्ता कारक एक निवेश रणनीति है, जिसके अंतर्गत उन कम्पनियों को चुना जाता है, जिनकी बुनियादी बातें मजबूत होती हैं। यह उन फर्मों पर ध्यान केंद्रित करता है, जिनके पास लाभप्रदता, कुशल पूंजी उपयोग और वित्तीय स्थिरता का सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड है। ये कंपनियां अक्सर कम अस्थिरता प्रदर्शित करती हैं, जिससे वे स्थिरता की तलाश करने वाले निवेशकों के लिए उपयुक्त बन जाती हैं।

यह एक विश्वसनीय रणनीति

गुणवत्तापूर्ण निवेश अस्थिर बाजारों में बने रहने के लिए एक विश्वसनीय रणनीति है, जिसमें मजबूत बुनियादी बातों, स्थिर आय और कुशल पूँजी आवंटन वाली कंपनियों पर जोर दिया जाता है। भारतीय और वैश्विक बाजारों में मौजूदा अनिश्चितता को देखते हुए, गुणवत्ता कारक निवेशकों को दीर्घकालिक विकास के अवसरों को प्राप्त करते हुए नकारात्मक जोखिमों से बचने का एक संरचित तरीका प्रदान करता है। जैसे-जैसे निवेश के रुझान बदलते हैं, वित्तीयऔर मौलिक रूप से मजबूत कंपनियों पर ध्यान केंद्रित करने से निवेशकों को आर्थिक मंदी का सामना करने और भविष्य के बाजार सुधारों में भाग लेने में मदद मिल सकती है।

ये अनुपात बताए

- **इक्विटी पर रिटर्न (आरओई):** यह मापता है कि कंपनी शेयरधारकों की इक्विटी से कितने प्रभावी ढंग से लाभ कमाती है।
- **ऋण-से-इक्विटी अनुपात :** यह अनुपात वित्तीय उत्तोलन और कंपनी द्वारा अपने ऋण को जिम्मेदारी सेप्रबंधित करने की क्षमता का आकलन करता है।
- **आय स्थिरता :** यह अनुपात समय के साथ कंपनी की आय की स्थिरता का मूल्यांकन करता है।
- **उपार्जन अनुपात :** यह नकदी प्रवाह प्रबंधन का विश्लेषण करके आय की गुणवत्ता निर्धारित करता है।
- इन कारकों पर ध्यान केंद्रित करके, गुणवत्तापूर्ण निवेश यह सुनिश्चित करता है कि पोर्टफोलियो में चयनित कंपनियों के पास टिकाऊ व्यवसाय मॉडल हों और वे वित्तीय संकट से कम प्रभावित हों।

सबसे लंबा बुल रन

बीएसई क्वालिटी इंडेक्स ने पांच सालों में 22% का वार्षिक प्रतिफल दिया, जो इसके मूल सूचकांक, बीएसई लार्ज मिडकैप से 4.01% बेहतर प्रदर्शन है। 2020 के दौरान, जब बाजार दूसरी छमाही में रिकवरी की राह पर था, इसने मजबूती से प्रदर्शन किया और 26% का प्रतिफल दिया। लंबी अवधि में भी, गुणवत्ता सूचकांक ने पिछले 19 कैलेंडर वर्षों में 72% मामलों में अपने मूल सूचकांक से बेहतर प्रदर्शन किया है, जो इसकी निरंतरता को दर्शाता है। यह दर्शाता है कि गुणवत्ता सिर्फ़ एक कारक नहीं है, बल्कि यह दीर्घकालिक बेहतर प्रदर्शन की तलाश के लिए एक संरचित दृष्टिकोण भी हो सकता है।

क्वालिटी फैक्टर विश्वसनीय विकल्प

मजबूत वित्तीय मेट्रिक्स वाली कंपनियां आम तौर पर चुनौतीपूर्ण आर्थिक स्थितियों से निपटने और व्यापक बाजार के स्थिर होने पर तेजी से उबरने के लिए बेहतर तरीके से सुसज्जित होती हैं। अनिश्चित समय या शुरुआती रिकवरी चरणों के दौरान, निवेशक अक्सर सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड वाली वित्तीय रूप से स्थिर कंपनियों की ओर आकर्षित होते हैं। गुणवत्ता कारक मंदी और बाजार की रिकवरी के दौरान बाजार में बने रहनेके लिए विशेष रूप से प्रभावी होता है। मंदी के दौर में, इसने औसतन सिर्फ़ -27% की गिरावट का अनुभव किया, जो कम अस्थिरता कारक से थोड़ा कम है, जिसे अपनी प्रकृति के अनुसारकम गिरावट का अनुभव करने के लिए डिजाइन किया गया है। दिलचस्प बात यह है कि रिकवरी चरण के दौरान, क्वालिटी फैक्टर ने 41% का संचयी वार्षिक रिटर्न दिया, जो मूल्यांकन कारक फैक्टर के बाद दूसरे स्थान पर है। यह स्थिरता इसे विभिन्न बाजार चक्रों में संतुलित प्रदर्शन की तलाश करने वाले निवेशकों के लिए एक आकर्षक विकल्प बना सकती है।

निष्क्रिय गुणवत्ता कारक निवेश क्यों अहम

1. मानवीय पूर्वाग्रहों को दूर करता है - गुणवत्ता कारक में पैसिव निवेश मात्रात्मक डेटा पर निर्भर करता है, जो भावनात्मक निर्णय लेने से बचाता है।
2. व्यवस्थित और पारदर्शी - एक नियम-आधारित दृष्टिकोण यह सुनिश्चित करता है कि इसमें केवल वित्तीय रूप से मजबूत कंपनियों को ही शामिल किया जाए।
3. बेहतर जोखिम-समायोजित प्रतिफल प्रदान करता है - गुणवत्ता निवेश कम लागत के साथ स्थिरता, लचीलापन व टिकाऊ दीर्घकालिक विकास प्रदान करता है।

इक्विटी निवेश के लिए एक अनुशासित दृष्टिकोण की तलाश करने वाले निवेशकों के लिए, निष्क्रिय गुणवत्ता कारक फंड सक्रिय स्टॉक चयन के लिए एक कुशल, कम लागत वाला विकल्प हो सकता है।

स्रोत: एनएसई; बीएसई; एसीईएमएफ; एमओएएमसी

(लेखक मोतीलाल ओसवाल एसेट मेनेजमेंट कंपनी लि. के बिजनस पैसिव फंड प्रमुख हैं)

(डिस्क्लेमर : म्यूचुअल फंड निवेश बाजार जोखिमों के अधीन हैं, योजना से संबंधित सभी दस्तावेजों को ध्यान से पढ़ें।)

खबर संक्षेप

बेसहारा गोवंश सेवा समिति की दसवीं वर्षगांठ आज

रोहतक। बेसहारा गोवंश सेवा समिति गोशाला की दसवीं वर्षगांठ 20 अप्रैल को मनाई जाएगी। यह गोशाला राजीव गांधी खेल स्टेडियम के पास पुल के नीचे स्थापित की गई है। इस अवसर पर हवन व विशाल भंडारा होगा। इस दौरान होने वाले समारोह में हरियाणा के रिटायर्ड एडीजीपी श्रीकांत जाधव, पुलिस अधीक्षक नरेंद्र बिजारणिया, नगर निगम रोहतक के मेयर रामअवतार वाल्मीकि और विश्ववारा कन्या गुरूकुल रूड़की की संस्थापक पद्मश्री डा. सुकामा आचार्य मुख्य अतिथि होंगे। यह जानकारी गोवंश सेवा समिति की महासचिव पुष्पा राणा ने दी।

मारपीट के आरोपितों की गिरफ्तारी की मांग

महम। महम के रकबे में आग बुझाने गए दमकल केंद्र महम के कर्मचारियों के साथ मारपीट करवाने वाले दो लोगों के खिलाफ पुलिस ने केस तो दर्ज कर लिया है, लेकिन अब तक उनकी गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। फायरकर्मियों ने आरोपितों की गिरफ्तारी की मांग की है। फायरकर्मी नीरज कुमार सिंहमार ने बताया कि मारपीट के आरोपितों की गिरफ्तारी न होने से कर्मियों में रोष बना हुआ है। फायर स्टेशन महम के कर्मचारियों की मांग है कि जल्द ही दोषियों को गिरफ्तार किया जाए। नीरज ने बताया कि कर्मचारी खेतों में आग बुझाकर वापस लौट रहे थे। इसी दौरान रिपोर्ट तैयार की जा रही थी। तभी दो लोगों ने कहा कि एक एकड़ के नुकसान की बजाए 9 एकड़ कर दिया जाए। इस बात से जब उन्होंने इंकार किया तो उन्होंने कर्मचारियों के साथ मारपीट कर दी।

इंडस पब्लिक स्कूल में होनहार विद्यार्थियों को सम्मानित किया

पारितोषिक वितरण समारोह में डॉ. अनिल शर्मा प्रधान हरिओम सेवा दल रोहतक पहुंचे

रोहतक। पुरस्कार प्राप्त करने वाले छात्रों के साथ विद्यालय की चेयरपर्सन डॉ. एकता सिंधु ,डॉ. अनिल शर्मा, प्रधान हरिओम सेवा दल व प्रधानाचार्या डॉ. सुषमा झा। फोटो : हरिभूमि

■ विद्यालय की चेयरपर्सन डॉ. एकता सिंधु व निदेशक प्राचार्या डॉ. सुषमा झा ने दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

इंडस पब्लिक स्कूल में शनिवार को पारितोषिक वितरण समारोह का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर डॉ. अनिल शर्मा प्रधान हरिओम सेवा दल रोहतक व संरक्षक भारत विकास युवा परिषद व प्रवीण परूथी विशिष्ट अतिथि रहे। कार्यक्रम का प्रारंभ मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि, विद्यालय की चेयरपर्सन डॉ. एकता सिंधु व निदेशक प्राचार्या डॉ. सुषमा झा ने दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया। सर्वाधिक अंकों से पास होने वाले विद्यार्थियों को तथा राष्ट्रीय व न्तर्राष्ट्रीय तथा जिला स्तर की खेल प्रतियोगिताओं में पुरस्कार जीतने वाले, अति आत्मविश्वासी, रचनात्मक गतिविधियों में उत्तम, ओवरऑल, व्यवहार कुशलता में उत्तम छात्रों को पुरस्कृत किया। विद्यालय की चेयरपर्सन डॉ. एकता सिंधु ने संदेश में कहा कि पारितोषिक वितरण शैक्षणिक सत्र के दौरान बहुआयामी गतिविधियों में प्राप्त उपलब्धियों के लिए सम्मानित करने का अवसर रहता है। इस आयोजन से छात्रों में प्रतिस्पर्धा की भावना के साथ और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहन भी मिलता है। विद्यालय की डायरेक्टर प्रधानाचार्या डॉ. सुषमा झा ने वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने सभी पदाधिकारियों, अतिथियों व अभिभावकों का आभार व्यक्त किया। रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का प्रारंभ गणेश वंदना से किया गया तत्पश्चात मंयक व यतिका ने अनेक भाव-भंगिमाओं द्वारा नृत्य की प्रस्तुति दी। कक्षा दसवीं की गायत्री ने स्वरचित कविता प्रस्तुत की। छात्राओं ने अंग्रेजी समूह गान गाया, लड़कों ने माइम द्वारा सड़क सुरक्षा का संदेश दिया। कक्षा 5वीं से 9वीं तक के छात्रों ने नाटकीय व नृत्य शैली में रामायण का प्रदर्शन कर वातावरण को भक्तिमय कर दिया। मंच संचालकों ने विभिन्न स्थानीय भाषाओं का प्रयोग किया।

रोहतक। बैठक को सम्बोधित करते नगरपालिका कर्मचारी संघ, हरियाणा के राज्य प्रधान नरेश कुमार शास्त्री। फोटो : हरिभूमि

नपा कर्मचारी संघ मुख्यमंत्री आवास पर प्रदर्शन में करेगा भागीदारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

■ कुरुक्षेत्र में आज होगा सीएम आवास पर प्रदर्शन

नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा कौशल रोजगार निगम के कर्मचारियों की छटनी के विरोध में रविवार को कुरुक्षेत्र स्थित मुख्यमंत्री आवास पर किए जाने वाले प्रदर्शन में पूरी भागीदारी करेगा। संघ ने एसएमडब्ल्यू पोर्टल पर हाजिरी लगाने के विरोध में 23 अप्रैल को सभी पालिकाओं, परिषदो और निगमों में झाड़ू प्रदर्शन करते हुए निगम आयुक्त, पालिका परिषद आयुक्त, कार्यकारी अधिकारी, व पालिका सचिवों के माध्यम से शहरी स्थानीय निकाय मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा। संघ ने चेतावनी देते हुए कहा कि 24 अप्रैल के बाद पोर्टल पर हाजिरी नहीं लगाई जाएंगी। यह निर्णय शनिवार को संघ की राज्य कमेटी की नगर निगम कार्यालय में संपन्न हुई राज्य कमेटी की बैठक में लिया गया। इसकी अध्यक्षता नगर पालिका कर्मचारी संघ, हरियाणा के राज्य प्रधान नरेश कुमार शास्त्री ने की। मंच का संचालन संघ के महासचिव मांगे राम तिगरा ने किया। संघ की राज्य कमेटी में ट्रेड यूनियनों व सर्व कर्मचारी संघ के आह्वान पर 20 मई को केंद्रीय और राज्य सरकार की कर्मचारी विरोधी नीतियों के खिलाफ की जाने वाली राष्ट्रव्यापी हड़ताल में सभी पालिकाओं, परिषदों, निगमों व फायर विभाग के कर्मचारी भी शामिल होंगे। राज्य कमेटी की बैठक में संघ के राज्य वरिष्ठ प्रधान रमेश तुषामड, उप प्रधान वीरभान बिडलान, मुख्य संगठनकर्ता शिवचरण, उप महासचिव सुनील, सचिव शारदा देवी, परसोत्तम दानव, ऑडिटर सुखदेव सिंह, संगठन कर्ता राजपाल, प्रेस सचिव बसंत , राजीव खत्री ने भाग लिया। नगर पालिका कर्मचारी संघ के राज्य प्रधान नरेश कुमार शास्त्री व महासचिव मांगे राम तिगरा ने कहा कि सरकार व संघ के बीच विगत वर्ष 7 अगस्त को समझौता हुई था। इसमें मानी गई मांगों को लेकर सरकार ने पत्र जारी नहीं किए हैं। नरेश कुमार शास्त्री ने कहा कि सरकार निकायों में क्षेत्रफल आबादी के तहत सफाई और सीवर कर्मचारियों के नए पद सृजित कर नियमित भर्ती करे, सभी प्रकार के ठेकों को समाप्त कर वर्षों से लगे पालिका रोल, दैनिक वेतन भोगी, हरियाणा कौशल रोजगार निगम के कर्मचारियों को पक्का करें।

पृथ्वी दिवस पर एचडी पब्लिक स्कूल में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

एचडी सीनियर. सेकेंडरी पब्लिक स्कूल खेड़ी महम में पृथ्वी दिवस के अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में बच्चों ने बड़े उत्साह व जोश के साथ भाग लिया। प्राचार्या शालिनी गुप्ता ने बताया कि कक्षा छठी से आठवीं के बच्चों के लिए सैलेड मेकिंग, नौवीं से बारहवीं कक्षा के लिए पोस्टर मेकिंग व कक्षा छठीं से बारहवीं के लिए क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। विद्यालय निदेशक कुलवंत नहरा व प्राचार्या शालिनी गुप्ता ने अपने संबोधन में बच्चों की रचनात्मकता की प्रशंसा की। साथ ही उन्हें प्रेरित करते हुए कहा कि इस प्रकार के क्रियाकलापों से बच्चों का सर्वांगीण विकास होता है।

उनके शारीरिक व मानसिक विकास के साथ साथ उनकी रचनात्मकता व उनमें निर्णय लेने की क्षमता का भी ज्ञान होता है। इन प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सभी प्रतिभागियों को स्कूल प्रबंधन समिति द्वारा पारितोषिक देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर स्कूल सचिव संजीव छिल्लर व उपप्राचार्या इंदु नहरा के साथ समस्त स्टाफ सदस्य उपस्थित थे।

अंबेडकर की सोच, कार्यशैली व नितियों को जनता तक पहुंचाने का कार्य करें

रोहतक। बाबा साहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर की सोच, कार्यशैली व नितियों को जनता तक पहुंचाने का कार्य करें। ताकि समाज के आखरी वंचित व अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं व सरकारी नितियों का लाभ पहुंच सके। शनिवार को सनसिटी सेकटर-6 स्थित बीजेपी मंगल कमल कार्यालय में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सचिव ओमप्रकाश धनखड़ ने यह बात कहीं।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने सदैव बाबा साहेब डॉ भीमराव अम्बेड़कर का विरोध किया और दो बार चुनाव में हराने का कार्य किया। यदि 40 साल पहले जनता को बाबा साहेब की नितियों के बारे में जागृति आ जाती तो देश में सभी वर्गों में सम्पन्नता देखने के साथ साथ समाज व भारत अग्रणी पंक्ति में खड़ा होता। कांग्रेस ने न्याय प्रणाली के साथ खिलवाड़ किया तथा सदैव मोलिक अधिकारों के हनन करने का कार्य किया है। जिला अध्यक्ष एडवोकेट रणवीर सिंह ढाका व जिला प्रभारी सत्येन्द्र परमार ने बाबा साहेब के पखवाड़े को मनाने में डाक्टर, वकील, प्रोफेसर, शिक्षाविद व प्रबुद्ध समाज सेवियों को आमंत्रित करने बारे कहा। ताकि इस पखवाड़े को जनांदोलन बनाया जा सके। जिला में बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर के मनाएं जाने वाले पखवाड़े की संयोजक सरिता नारायण, जिला प्रभारी सभी प्रकोष्ठ डॉ. अशोक कुमार रंगा ने कहा कि जिस समय देश का विभाजन हुआ, उस समय डाक्टर अम्बेडकर की सीट को जानबूझकर कांग्रेस ने पूर्वी पाकिस्तान में भेजने का कार्य किया। जबकि वहां पर हिन्दुओं की आबादी पचास प्रतिशत से कहीं अधिक थी। इस अवसर पर प्रदीप जैन, प्रतिभा सुमन पूर्व महिला मोर्चा अध्यक्ष, सुखबीर चंदेलिया महामंत्री, सहसंयोजक, डाक्टर दीनेश घिलोड, शमशेर कलिंगा ,कप्तान सिंह जसिया मौजूद रहे।

■ कांग्रेस पार्टी ने सदैव बाबा साहेब डॉ भीमराव अम्बेड़कर का विरोध किया : ओमप्रकाश धनखड़

गर्भवती महिलाओं व बच्चों की देखभाल के बारे में विस्तार से जानकारी दी

सांपला। महिला एवं बाल विकास निगम की तरफ से शुक्रवार को हसनगढ़ में पोषण पखवाड़ा मनाया गया। यह अभियान 22 अप्रैल तक चलेगा। इस कार्यक्रम में आंगनवाड़ी वर्कर्स व अन्य महिलाएं शामिल हुई। सुपरवाइजर कुमारी हिमांशी ने बताया कि गर्भाधान से लेकर बच्चों के दूसरे जन्मदिन तक बच्चों के शारीरिक विकास और मस्ती के विकास के लिए सबसे महत्वपूर्ण होते हैं। इन्हें एक हजार के दिनों के दौरान एक बच्चे का शरीर और दिमाग अविश्वसनीय गति से बढ़ता है। जो उसके भविष्य के सीखने प्रति रक्षा और समग्र स्वास्थ्य की नींव रखता है। पूरे वक्त में अच्छा पोषण ,प्यार देखभाल और शुरुआती सीखने के अनुभव उन्हें एक स्वस्थ और एक खुशहाल व्यक्ति बनने में मदद कर सकते हैं। उधर आयुष्मान से डॉक्टर सोनू सैनी ने भी गर्भवती महिलाओं व बच्चों की देखभाल के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने महिलाओं को पोषण आहार में प्रयोग होने वाली हरी पत्तेदार सब्जियां व खाद्य सामग्री के बारे में भी जानकारी दी। इस मौके पर पौधारोपण अभियान भी चलाया था। कार्यक्रम में आंगनवाड़ी वर्कर अन्य महिलाएं शामिल हुई।

पंचाकल्याण प्रतिष्ठा महोत्सव में 251 जोड़ों ने की पूजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

हमारे मन के अंदर अनेक विचार उत्पन्न होते हैं। परन्तु में एक ही हूं हमारे अन्दर असंख्य भाव व विचार उत्पन्न होते हैं। इन भावों व विचारों में यह हमें महसूस होता है कि सुख का अनुभव किया था और दुख का भी। अगर हम पिछले जीवन को देखते है तो हमें अनेक प्रकार के भाव मिलेंगे। हमें यह महसूस होता है कि हम किसी समय बहुत सुखी थे और किसी समय बहुत दुखी। सराय मोहल्ला स्थित शांतिनाथ जैन मंदिर में चल रहे सात दिवसीय पंचाकल्याण प्रतिष्ठा महोत्सव के दूसरे दिन मुनि श्री 108 प्रणम्यसागर महाराज ने श्रद्धालुओं को यह शब्द कहे।

मीडिया प्रभारी राजीव जैन ने बताया कि महोत्सव में 251 जोड़े एक साथ बैठ कर पूजा कर रहे हैं। सुबह 6 बजे जलाभिषेक एवं शांति धारा जितेन्द्र जैन घड़ी वाले के परिवार के द्वारा एवं सभी श्रद्धालुओं ने की। इन्द्रों के द्वारा मण्डप में प्रतिष्ठा की गई। समाजसेवी उद्योगपति विजय जैन ने अखण्ड ज्योत जला कर मण्डप पर विराजमान किया। सभी इन्द्रों के द्वारा मण्डप में मूर्तियों की स्थापना की गई। पंडित प्रतिष्ठाचार्य ब्रह्मचारी नीतिन भैया ने नन्दी विधान, विनय पाठ, विनय पाठ, समूच्य पूजन, अष्ट द्रव से बना भगवान के चरणों में श्रद्धालुओं के द्वारा समर्पित किया गया। सभी ने मंगल आरती की। सभी अतिथियों का पटके, माला व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। मंच का संचालन राजेश जैन डीएलएफ ने किया। भोपाल से आये ऋषि शर्मा एंड पार्टी ने अपनी मधुर वाणी से भजनों का ऐसा समा बांधा सभी महिलाएं व पुरुष झूमने लगे।

ये रहे मौजूद

इस अवसर परपंडित हरेन्द्र शास्त्री, पंडित सनक कुमार, पंडित विनोद कुमार, संस्था के प्रधान अतुल जैन, सचिव अजय जैन, चक्रेश जैन, अनिल जैन बैंक वाले समेत सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

जॉन वेस्ले कॉन्वेंट के विद्यार्थियों ने किया तिलयार लेक और चिड़ियाघर का भ्रमण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

गोहाना रोड स्थित जॉन वेस्ले कॉन्वेंट की तीनों विंग के कक्षा नर्सरी से कक्षा यूकेजी के नन्हें-मुन्ने विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक धरोहर तिलयार लेक व चिड़ियाघर का भ्रमण किया।

इस भ्रमण के माध्यम से विद्यार्थियों ने अलग-अलग प्रजातियों के पक्षियों व जानवरों की चालढाल व व्यवहार देखकर उन्हें पहचाना। रंग बिरंगी चिड़ियां, मोर, हंस, शुतुरमुर्ग, चीता, भालू, बंदर, मगरमच्छ और हिरण आदि को देखकर विद्यार्थियों का मनोरंजन हुआ व जानवरों के बारे में बहुत ज्ञानवर्धक बातें जानी जैसा कि जानवर हमारे जीवन के लिए बहुत उपयोगी हैं और उनका जीवन भी हमारी तरह कीमती है, हमें जानवरों से प्यार होना चाहिए उनका संरक्षण करना हमारी जिम्मेवारी है। यह भ्रमण नन्हे मुन्ने बच्चों के लिए एक यादगार अनुभव रहा। जहां उन्होंने ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और प्राकृतिक सौंदर्य के बारे में नए ज्ञान और अनुभव प्राप्त किए। विद्यालय प्रधानाचार्या डॉ ममता मलिक ने सभी विद्यार्थियों से उनके भ्रमण संबंधित अनुभव सांझा किए। इस अवसर पर उप - प्रधानाचार्या मशेंका, सीमा दुआ, कनिका चावला व साक्षी आहूजा, ऋचा कपूर, पायल शर्मा, स्वाति ,योगिता, शैफाली, विशु तीनों विंग के अध्यापक उपस्थित रहे।

पंडित नेकीराम शर्मा कॉलेज में दीक्षांत समारोह का आयोजन

रोहतक। पंडित नेकीराम शर्मा राजकीय महाविद्यालय में शनिवार को दीक्षांत समारोह का सफल आयोजन दो सत्रों में किया गया। जिसमें सुबह के सत्र में मुख्य अतिथि आनंद शर्मा (सदस्य हरियाणा पब्लिक सर्विस कमिशन, हरियाणा) व सायंकालीन सत्र में डॉ पूर्णिमा बालिगा (प्रो वाइस चांसलर एसजीटी यूनिवर्सिटी गुड़गांव) रहे। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ लोकेश बलहारा एवं कॉलेज काउंसिल के सदस्यों ने उनका स्वागत किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों, प्राचार्य डॉ लोकेश बलहारा व संयोजक डॉ अनिल खटकड़ के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। मुख्य अतिथि आनंद शर्मा ने अपने प्रेरणादायक विचारों से विद्यार्थियों को आगे बढ़ने का आह्वान किया।

TOP-IN-TOWN रोहतक बाजार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें: विज्ञापन विभाग, हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
मो. 9996959400, 9996985800, 9996965600, 9996954600

N.I.C. College of Education
Assan (Rohtak)
Staff Required For D.EL.Ed Lect.
Lect.: Science, Maths, English, S.St, (M.A, M.Sc & M.Ed With 55%)
Fine Art, Music, Dance (PG)
Walk for interview in working day
Time. 9.30am to 1.00pm
Submit Your Bio-Data Within two days & You may send your Bio-Data on Whatsapp
Contact at 9991818487, 9813894150, 9813844250

शिव देव सर्विसेज
आवश्यकता है
मैन पावर कंपनी में
• एचआर हेड (महिला)
• फील्ड ऑफिसर
• टेलीकॉलर (महिला)
सिक्योरिटी गार्ड और हाउसकीपिंग स्टाफ के लिए सम्पर्क करें।
202, टाउन सेंटर मॉल, डी-पार्क, रोहतक
अपना रिज्यूम व्हाट्सएप्प करें M. 9991789000

सैक्स समस्याएं
MOST TRUSTED SEXOLOGIST AWARDEE
Dr. Kawatra Rohtak.com
WE... THE BEST CREATION OF ALMIGHTY CREATOR SERVING HUMANITY FOR THEIR WELL BEING
RELATIONSHIP MANAGEMENT
Wish you speedy Recovery
पुल पार, हिसार रोड, रोहतक 9215161430

NEW FRESH BATCHES
CLAT (LAW) 2026/27
IPM (IIMs) 2026/27
BANK
SSC
MCA
NDA
T.I.M.E. Triumphant Institute of Management Education Pvt. Ltd.
D-Park, Delhi Road Rohtak
M. 9254304337

मानसरोवर हॉस्पिटल
REQUIRES
• PRO 5
• NURSING STAFF 4
• ICU STAFF 10
• MALE NURSING STAFF 5
• HOUSE KEEPING 2
नजदीक पी.एन.बी. बैंक, विकास नगर के सामने, सोनीपत रोड, रोहतक
Tel. :- +91-1262-253500 Mobile: 9254302848, 9053005599

PRIME SCHOOL UNIFORMS
Mfrs & Traders: All Types of School Uniforms, T-Shirts, Lower & Track Suits etc.
Deals in All Kind of School Bag, School Shoes & Stationary Items
Shoes 20% off
VIPIN KUMAR M. 9812587499
All School Dress also available
▸All Vaish School ▸Vedanta School
▸Shiksha Bharti ▸Scholar Rosary
▸St. Pall School ▸ZAD Global School
▸Model School ▸Shivalik School
▸DAV School ▸MRGS School ▸Baba Mast Nath School ▸ GD Royal School
802/12, Arya Nagar, Opp. Vedic Ashram, Near HUDA Complex, Rohtak | Ph.: 01262-258299

खबर संक्षेप

विनोद बने एमपीएचई एसो. के जिला प्रधान

रोहतक। बहुउद्देश्यीय स्वास्थ्य कर्मचारी एसोसिएशन का जिला स्तरीय सम्मेलन एवं चुनाव शनिवार को सामान्य अस्पताल में सम्पन्न हुआ जिसकी अध्यक्षता चुनाव पर्यवेक्षक अशोक देशवाल ने की एवं पर्यवेक्षक के तौर पर राज्य कमेटी से नियक्त सहदेव आर्य सांगवान मौजूद रहे। चुनाव पर्यवेक्षक ने पूर्व कार्यकारिणी को भंग कर चुनाव प्रक्रिया को पूरा किया। जिसमें विनोद हुड्डा को जिला प्रधान, संदीप गोस्वामी को जिला सचिव, अजहरुद्दीन को कोषाध्यक्ष व सतवंती वरिष्ठ उप प्रधान, प्रेस सचिव बलराज सर्वसम्मति से चुना गया।

हसनगढ़ के खेतों में मिला अज्ञात शव

सांपला। हसनगढ़ के पास खेतों में एक अज्ञात शव मिला है। पुलिस ने सबको कब्जे में लेकर पहचान के लिए पीजीआई रोहतक भेज दिया। सुबह पुलिस को सूचना मिली कि एक अज्ञात शव पड़ा हुआ है। पुलिस मौके पहुंची और शव की पहचान करने का प्रयास किया, लेकिन पहचान नहीं हो पाई। मृतक की उम्र 32 वर्ष के करीब है। शरीर पर कोई चोट के निशान नहीं पाए गए। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पंजाबी रामा क्लब में हवन व भंडारा आज

महम। पंजाबी रामा क्लब महम में रविवार 20 अप्रैल को स्वर्गीय राजा खुराना की याद में हवन व भंडारा आयोजित किया जाएगा। राजा खुराना मैमोरियल सोसाइटी द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में सुबह 10 बजे हवन होगा और दोपहर 12 बजे भंडारा लगाया जाएगा।

दुकान का सामान सड़क पर फेंका, केस दर्ज

रोहतक। सुभाष रोड पर स्थित दुकान में रखे सामान को कुछ लोगों ने बाहर फेंक दिया और दुकान पर कब्जा कर लिया। पीड़ित ने मामले की शिकायत आर्य नगर पुलिस को दी है। जिसमें आरोप लगाया है कि प्रवीन कुछ युवकों और महिलाओं को लेकर दुकान पर आया और जबरन शटर तोड़कर उसका सारा सामान बाहर रोड पर फेंक दिया।

वैश्य कॉलेज के छात्रों ने पहला स्थान पाया

रोहतक। वैश्य महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग के छात्रों ने वैश्य कन्या महाविद्यालय में आयोजित इंटेलेक्ट अरेना - ऑन द थीम यूथ फॉर द फ्यूचर में पहला स्थान प्राप्त किया।

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के 50वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में स्वर्ण जयंती समारोह का आयोजन

नवाचार से ही होगा रोजगार का रास्ता प्रशस्त : राज्यपाल

खास बातें

- स्वामी दयानंद के विचारों से आत्मसात कर आगे बढ़े युवा पीढ़ी
- कार्यक्रम में राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की
- विश्वविद्यालय की स्वर्णिम विरासत को आगे बढ़ाने का आह्वान किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

विद्यार्थी इन्नोवेटिव बनें, नवाचार को आगे बढ़ाएं। नवाचार से ही रोजगार का रास्ता प्रशस्त होगा। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने यह शब्द महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के टैगोर सभागार में शनिवार को विश्वविद्यालय के 50वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित स्वर्ण जयंती समारोह में बतौर मुख्यातिथि व्यक्त किए। एमडीयू समुदाय को 50 वर्ष की गौरवशाली यात्रा तय करने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी। स्वर्ण जयंती समारोह विश्वविद्यालय की यात्रा का एक पड़ाव है, उन्होंने एमडीयू समुदाय से विश्वविद्यालय की स्वर्णिम विरासत को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। विश्वविद्यालय का 50वां स्थापना दिवस (फाउंडेशन डे) का शुभारंभ सुबह मातूराम यज्ञशाला में हवन यज्ञ के साथ हुआ राज्यपाल ने कहा कि महर्षि दयानंद सरस्वती के नाम पर इस विश्वविद्यालय का नाम होना गौरव की बात है, युवा पीढ़ी स्वामी दयानंद के योगदान एवं विचारों को आत्मसात कर आगे बढ़े। नई शिक्षा नीति को गेम चेंजर बताते हुए तेजी से इसे आगे बढ़ाने की बात कही। उच्च शिक्षण संस्थान मातृभाषा हिन्दी में डिग्री दें, जिसका फायदा गरीब और ग्रामीण को होगा। उन्होंने एमडीयू के कार्यों और उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि आज शिक्षा, खेल, संस्कृति, देश सेवा समेत हर क्षेत्र में एमडीयू के एलुमनी बड़े ओहदों पर हैं, जो गर्व की बात है।

रोहतक। कार्यक्रम का दीप जलाकर शुभारंभ करते राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय व शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा और कार्यक्रम में अपनी प्रस्तुति देते विद्यार्थी व संबोधित करते राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय

रोहतक। खिलाड़ियों के साथ राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय व शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा।

स्वर्ण जयंती समारोह में कुलपति ने की कई घोषणाएं

स्वर्ण जयंती समारोह में कुलपति ने इस वर्ष यूजी और पीजी विद्यार्थियों के लिए 50-50 हजार रुपए की 50 गोल्डन जुबली रिसर्च फेलोशिप देने की घोषणा की। विज्ञान के क्षेत्र में डा. हरविंदर खुराना तथा डा. सीवी रमन के नाम से दो रिसर्च चेयर बनाने की घोषणा कुलपति ने की। कुलपति ने इस वर्ष, इंडस्ट्री-एकेडमिया और आर्ट एंड कल्चर का बड़ा कार्यक्रम आयोजित करने की बात कही।

वॉल ऑफ ग्लोरी का उद्घाटन

परीक्षा नियंत्रक कार्यालय परिसर में कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने वॉल ऑफ ग्लोरी का उद्घाटन किया। कुलपति ने इस अवसर पर बताया कि वॉल ऑफ ग्लोरी एमडीयू पास आउट विद्यार्थियों के गौरव का प्रतीक है। परीक्षा नियंत्रक प्रो. गुलशन लाल तनेजा ने बताया कि एमडीयू से 50 साल में 28 लाख से ज्यादा विद्यार्थी डॉक्टर, पीएचडी, पीजी तथा यूजी डिग्री प्राप्त कर चुके हैं। भारतीय पुनर्वास परिषद की अध्यक्षा डॉ. शरणजीत कौर, डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. ए. एस. मान, कुलसचिव डॉ. कृष्णकांत समेत विवि समुदाय उपस्थित रहा।

50 वर्ष की विकास यात्रा को सराहा

शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने बतौर गेस्ट ऑफ ऑनर संबोधित करते हुए एमडीयू की 50 वर्ष की विकास यात्रा को सराहा। कहा कि एमडीयू का नाम ऐसे महापुरुष के नाम पर है, जिसे दुनिया को उज्ज्वल जीवन जीने की राह दिखाई। भारतीय संस्कृति और भारत राष्ट्र ही विश्व कल्याण कर सकता है। इसलिए आज सारी दुनिया भारत की तरफ मार्गदर्शन के लिए देख रही है। उन्होंने 2047 तक भारत को दुनिया का सबसे ताकतवर देश बनाने का संकल्प दोहराया और इस संकल्प को पूरा करने के लिए एकजुट होकर प्रयास करने का आह्वान किया। डीन, एकेडमिक अफेयर्स प्रो. ए. एस. मान ने प्रारंभ में स्वागत भाषण देते हुए विश्वविद्यालय की विकास यात्रा का ब्यौरा दिया।

स्थापना दिवस गौरवशाली विकास यात्रा का प्रतीक : कुलपति

रोहतक। नवनिर्मित कैफेटेरिया का उद्घाटन करते राज्यपाल।

एमडीयू कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने कहा कि एमडीयू का 50वां स्थापना दिवस एक विशेष पड़ाव है जो विश्वविद्यालय की गौरवशाली विकास यात्रा का प्रतीक है, साथ ही यह भविष्य की नई संभावनाओं और रोड मैप को नए सिरे से तैयार करने का मौका भी है। शोध, शिक्षा, खेल और संस्कृति के क्षेत्र में एमडीयू नित नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। एमडीयू में शिक्षा के अनुकूल वातावरण तैयार हुआ है और विद्यार्थियों की कैपेसिटी बिल्डिंग पर विशेष फोकस किया गया है। विद्यार्थियों का सोशल कनेक्ट बनाने और पढ़ाई को रुचिकर बनाने पर ध्यान दिया जा रहा है। एमडीयू के 50वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में फैकल्टी डेवलपमेंट सेंटर के नीचे नवनिर्मित कैफेटेरिया का उद्घाटन किया। राज्यपाल ने उम्मीद जताई कि कैफेटेरिया में शिक्षक वैचारिक आदान-प्रदान करेंगे और नई सोच एवं विचार को यहां सृजन होगा।

टैगोर की गैलरी में आयोजित प्रदर्शनी में दिखी एमडीयू की विकास यात्रा की झलक

टैगोर सभागार की गैलरी में विश्वविद्यालय के 50वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में एमडीयू की विकास यात्रा को रेखांकित करती प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने किया। शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा और हरियाणा स्टेट हायर एजुकेशन काउंसिल के चेयरपर्सन कैलाश चंद्र शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति इस अवसर पर रही। उत्कृष्ट योगदान के लिए शिक्षकों, गैर शिक्षक कर्मियों व विद्यार्थियों को सम्मानित किया। स्वर्ण जयंती समारोह में राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने शोध के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले शिक्षकों को अनुसंधान पुरस्कार से सम्मानित किया।

रोहतक। प्रदर्शनी का अवलोकन करते राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय व शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर भारतीय पुनर्वास परिषद की अध्यक्षा डॉ. शरणजीत कौर, सीडीएलयू, भिवानी की कुलपति डॉ. दीप्ति धर्माणी, मेयर राम अवतार वाल्मीकि, कुलसचिव डा. कृष्णकांत, डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. रणदीप राणा, पूर्व मेयर मनमोहन गोयल, शिक्षाविद् डॉ. सीताराम व्यास, चिकित्सक डॉ. आदित्य बत्रा, सुभाष आहूजा, भाजपा नेता सतीश नांदल, प्रो. आर.सी. कुहाड़, एमडीयू के डीन, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, अधिकारी, गैर शिक्षक कर्मी, सेवानिवृत शिक्षक, कर्मी, एलुमनी, शोधार्थी, विद्यार्थी और शहर के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

गिरावड़ में घर में घुसकर मारपीट चार लोगों के खिलाफ केस दर्ज

- रविकांत की शिकायत पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की
- सिर, मुंह पर व शरीर पर अन्य जगहों पर आई चोटें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

लाखन माजरा थाना क्षेत्र के गांव गिरावड़ में एक ही परिवार के कई लोगों पर जानलेवा हमला करने और घर में घुसकर मारपीट किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। इस संबंध में पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस को दी शिकायत में गिरावड़ गांव निवासी रविकांत पुत्र राकेश ने बताया कि कल शाम को चार बजे उसकी चाची सनोज पत्नी वजीर के साथ कूड़ेदान को लेकर कृष्णा पत्नी रामफल के साथ आपस में कहासुनी और मारपीट हो गई। इसी दौरान लड़ाई झगड़े की आवाज सुनकर उसकी मां भी घर से बाहर आ गई। कृष्णा ने उसकी मां के साथ भी गाली गलौच व मारपीट शुरू कर दी। पुलिस की डायल 112 सेवा पर सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। जिस वजह से बीच बचाव कर दिया गया। सनोज, माया और राजेश शिकायत करने के लिए लाखन माजरा थाने में चले गए। घर पर वह, रानीला गांव निवासी सतीश पुत्र बजरंग और गिरावड़ गांव निवासी बलवान पुत्र साधुराम बैठे हुए थे। इसी दौरान अचानक घर पर मोहित पुत्र रामभज, राकेश पुत्र रामफल, उर्मिला पत्नी रामभज और कृष्णा पत्नी रामफल आ गए। वे अपने हाथों में लकड़ी के डंडे लिए हुए थे। उन्होंने हम तीनों को मारना शुरू कर दिया। इसी बीच रामफल व उसके साथ 8-10 लड़के आए, उनके सभी के हाथों में लाठी, डंडे व हथियार थे। उन्होंने भी आते ही उन्हें मारना शुरू कर दिया। रविकांत का कहना है कि इस हमले में उसको, बलवान और सतीश को सिर व मुंह पर व शरीर पर अन्य जगहों पर चोटें लगी हैं।

अधिकारियों को पत्र जारी कर दिए निर्देश

अब वन स्कूल एप के माध्यम से विद्यार्थियों को मिलेगी छात्रवृत्ति

- मौलिक शिक्षा हरियाणा के महानिदेशक ने आदेश जारी किए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

मौलिक शिक्षा हरियाणा के महानिदेशक ने सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों को वर्दी, स्कूल बैग, स्टेशनरी भत्ता व अन्य छात्रवृत्ति देने के लिए विद्यार्थियों का डाटा वन स्कूल एप पोर्टल पर अपडेट करने के आदेश जारी किए हैं। इसके लिए सभी जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी को पत्र जारी किया है। पत्र में बताया गया है कि वर्ष 2025-26 के लिए त्रैमासिक स्कीम में विद्यार्थियों की उपस्थिति दर्ज करने का मॉड्यूल वन स्कूल एप पोर्टल पर लाइव किया गया है। इसमें विद्यार्थियों के बैंक खाता संख्या और परिवार पहचान पत्र आईडी को वेरीफाई करने के बाद ही डाटा अपडेट किया जाए।

यह मिलती है प्रोत्साहन राशि

एचआर-5 व एचआर-6 के तहत बीसीए व बीपीएल के पहली से पांचवीं कक्षा के लड़कों को 225 रुपये, छठी से आठवीं कक्षा के लड़कों को 300 रुपये प्रोत्साहन राशि मिलती है। पहली से पांचवीं कक्षा की लड़कियों को 450 रुपये और छठी से आठवीं कक्षा की लड़कियों के लिए 600 रुपये प्रोत्साहन राशि मिलती है। एचआर-64 के तहत 9वीं से 12वीं कक्षा के एससी लड़कों को 750 से 1200 रुपये व लड़कियों को 1200 से 1800 रुपये, एचआर योजना के तहत पहली से पांचवीं कक्षा के एससी लड़कों को 450 रुपये, छठी से आठवीं कक्षा के विद्यार्थियों को 600 रुपये और पहली से पांचवीं कक्षा की लड़कियों को 675 रुपये व छठी से आठवीं कक्षा की लड़कियों को 900 रुपये त्रैमासिक प्रोत्साहन राशि मिलती है।

विद्यार्थियों के बैंक खाते सही कराने के भी निर्देश

जिन विद्यार्थियों के पहले बैंक खाते गलत हैं, उनको भी ठीक करने के निर्देश दिए गए हैं। विद्यार्थियों को दी जाने वाली छात्रवृत्ति व प्रोत्साहन राशि बारे किसी प्रकार की लापरवाही के लिए खंड शिक्षा अधिकारी व स्कूल का मुखिया जिम्मेदार होगा। विद्यार्थियों का पूरा डाटा स्कूल प्राचार्य के स्तर पर ही अपलोड किया जाता है। इसके आधार पर ही निदेशालय द्वारा डाटा डाउनलोड करके पात्र विद्यार्थियों के बैंक खाता में पीएफएमएस व डीबीटी के माध्यम से राशि जारी की जाती है। इसके अतिरिक्त अगर कोई भी पात्र विद्यार्थी प्रोत्साहन राशि का लाभ प्राप्त करने से वंचित रह जाता है तो इसके लिए अधिकारी जिम्मेदार होंगे।

डीएवी शताब्दी स्कूल में महात्मा हंसराज का जन्मोत्सव मनाया

रोहतक। डीएवी शताब्दी पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड के सभागार में महात्मा हंसराज के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में समारोह का आयोजन किया गया। आयोजन का शुभारम्भ विशेष यज्ञ से विद्यालय में कार्यरत धर्मशिक्षकों और संस्कृत शिक्षकों के ब्रह्मत्व में सम्पन्न हुआ। इस समारोह के मुख्य अतिथि विद्यालय प्रधानाचार्य शंकर लाल रहे। प्रधानाचार्य शंकर लाल ने अपने सम्बोधन में महात्मा हंसराज के जीवन वृत के बारे में उपस्थित सभी को विस्तार से बताया कि महात्मा हंसराज ने 25 वर्षों तक डीएवी कॉलेज के प्रिंसिपल के रूप में अवैतनिक कार्य किया तथा अपना सम्पूर्ण जीवन समाज सेवा में अर्पित कर दिया। उन्होंने गुरूदत्त विद्यार्थी के साथ मिलकर जून 1886 को लाहौर में दयानन्द एंग्लो वैदिक स्कूल सिस्टम (डीएवी) की स्थापना की तथा कई दयानन्द एंग्लो वैदिक शिक्षण संस्थान स्थापित करने में योगदान दिया जिसके लिए हम इनके ऋणी हैं। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा बहुत ही सुन्दर भजन, महात्मा हंसराज के जीवन चरित्रा पर आधारित कविताएं तथा भाषण प्रस्तुत किए गए। शान्तिपाठ के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

फसल सुखाकर ही मंडी में लाएं: डीसी

141353 गेहूं व 24397.70 एमटी सरसों की हुई खरीद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

उपायुक्त धीरेंद्र खडग़टा ने जिला के किसानों का आह्वान किया है कि वे गेहूं व सरसों की फसल को सुखाकर एवं साफ करके मंडियों में लाएं। किसान फसल अवशेषों का उचित प्रबंधन करें ताकि पर्यावरण संरक्षित रहे तथा भूमि की उपजाऊ शक्ति भी बढ़ सके। अब तक जिला की मंडियों में 141353 मीट्रिक टन गेहूं एवं 24397.70 मीट्रिक टन सरसों की खरीद की गई है। सरकार द्वारा सरसों के लिए 5950 रुपए प्रति क्विंटल तथा गेहूं के लिए 2425 रुपए प्रति क्विंटल न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित किया गया है।

धीरेंद्र खडग़टा ने बताया कि गत शुक्रवार तक जिला की मंडियों में 141353 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की गई है। जिला की कलानौर मंडी में एफसीआई द्वारा 959 व हरियाणा राज्य वेयरहाऊस कोरपोरेशन द्वारा 8465 मीट्रिक टन, किलोई मंडी 10618 मीट्रिक टन, लाखनमाजरा मंडी में 7679.70 मीट्रिक टन, मदीना मंडी में 4318.30 मीट्रिक टन, महम मंडी 15288.50 मीट्रिक टन, रोहतक मंडी में 55169 मीट्रिक टन, सांपला मंडी में 30092.90 मीट्रिक टन गेहूं व सांघी मंडी में 8762.60 की खरीद की गई है।

उन्होंने बताया कि जिला की मंडियों में सरसों की खरीद भी जारी है। अब तक जिला की मंडियों में 24397.70 मीट्रिक टन सरसों खरीदी गई है। कलानौर मंडी में हैफेड द्वारा 11481.97 मीट्रिक टन, महम मंडी में हरियाणा स्टेट वेयर हाउस कारपोरेशन द्वारा 7859.25 मीट्रिक टन, रोहतक मंडी में हैफेड द्वारा 2030 मीट्रिक टन तथा सांपला मंडी में हैफेड द्वारा 3026.48 मीट्रिक टन सरसों की खरीद की गई है। जिला प्रशासन द्वारा मंडियों में सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाई गई तथा खरीद सीजन को सुचारू ढंग से संपन्न करवाने के लिए सभी आवश्यक प्रबंध किए गए है।

विरोध शिक्षकों से गैर शैक्षणिक कार्य करवाने से छात्रों को पढ़ाने के लिए समय पड़ता कम : राठी

ऑनलाइन डायरी लिखने के विरोध में हरियाणा प्राइमरी टीचर एसो. ने डीईईओ को सौंपा ज्ञापन

- सभी शिक्षकों को पहले की भांति ऑफलाइन डायरी ही लिखवाई जाने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

ऑनलाइन डायरी लिखने के विरोध में हरियाणा प्राइमरी टीचर एसोसिएशन पदाधिकारियों ने डीईईओ को ज्ञापन सौंपा है। यह ज्ञापन निदेशक मौलिक शिक्षा अधिकारी और शिक्षा मंत्री के नाम सौंपा गया है। जिला रोहतक के प्रधान रमेश सिवाच और पूर्व प्रधान राकेश मोर ने बताया कि हरियाणा में निदेशक माध्यमिक शिक्षा हरियाणा द्वारा प्रदेश के सभी सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों के लिए ऑनलाइन डायरी अपलोड करने के आदेश 9 अप्रैल 2025 से लागू कर दिये गए हैं । टीचर डायरी प्रदेश के सभी शिक्षकों द्वारा पहले से ऑफलाइन लिखी जा रही है और इस डायरी को संबंधित स्कूल के मुखिया द्वारा सत्यापित किया जा रहा है। कोई भी उच्चाधिकारी इस डायरी का निरीक्षण कर सकता है। प्रदेश अध्यक्ष हरिओम राठी ने बताया कि पहले से ही शिक्षकों से गैर शैक्षणिक कार्य करवाए जाते हैं जिससे छात्रों को पढ़ाने के लिए समय कम पड़ जाता है। इस समय प्राथमिक शिक्षक घर घर जाकर बच्चों को स्कूल में नामांकन कराने का प्रयास कर रहे हैं। शिक्षक पहले से ही सभी बच्चों की ऑनलाइन और ऑफलाइन उपस्थिति लगा रहा है। प्रदेश के अनेक विद्यालयों में इंटरनेट की समस्या रहेगी और बहुत से शिक्षक ऑनलाइन करने में पारंगत नहीं हैं। हरियाणा प्राइमरी टीचर एसोसिएशन निदेशक माध्यमिक शिक्षा हरियाणा और हरियाणा सरकार से आग्रह करता है कि शिक्षा की गुणवत्ता के लिए प्रदेश के सभी विद्यालयों के शिक्षकों को पहले की भांति ऑफलाइन डायरी ही लिखवाई जाएं और समय समय पर उनका निरीक्षण कर उचित मार्गदर्शन दिया जाये।

महम। जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन सौंपते जिला रोहतक के प्राथमिक शिक्षक। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस मौके पर जिला उपप्रधान चतर सिंह, शमशेर सिंह ,कोषाध्यक्ष नसीब रांगी, राजेश कुमार, जसबीर दागी, वीरेन्द्र आर्य, बिजेंद्र हाडा, संजय कुमार, सुधीर, मुकेश सैनी, जयकुंवार, सुनील कुमार, बिजेंद्र सिंह, बिजेंद्र डांगी, राजकुमार और जगदीप आदि अध्यापक मौजूद रहे।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 20 अप्रैल 2025

कवर स्टोरी

डॉ. माजिद अलीम

बिगड़ते पर्यावरण, बदलते जलवायु के कारण धरती के बढ़ते तापमान यानी ग्लोबल वार्मिंग के दुष्प्रभाव दुनिया भर में प्राकृतिक आपदाओं के रूप में दिखने लगे हैं। इसका असर अब हमारी हेल्थ पर भी पड़ने लगा है। कई तरह की शारीरिक और मानसिक समस्याओं से लोग ग्रस्त हो रहे हैं। इनसे कुछ हद तक बचाव के लिए जरूरी सावधानी बरतने के साथ यहां बताई जा रही बातों पर अमल करना जरूरी है।

हमारी हेल्थ को बिगाड़ रही ग्लोबल वार्मिंग

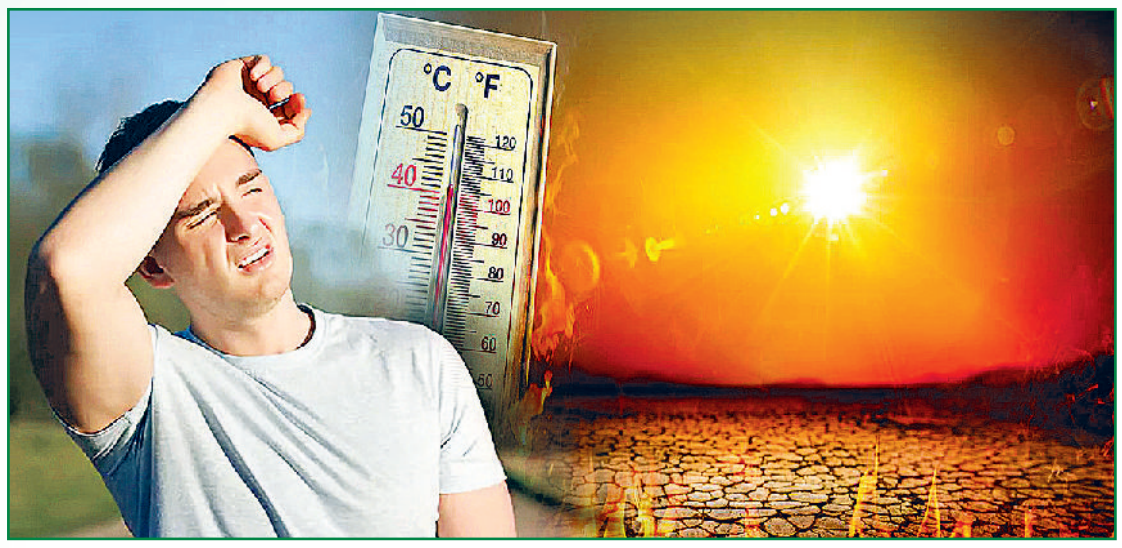

जलवायु, मौसम और बारिश के पैटर्न को ही नहीं बल्कि ग्लोबल वार्मिंग, हमारी हेल्थ और फिटनेस पर भी अब तेजी से असर डाल रही है। ग्लोबल वार्मिंग ने हमारे पर्यावरण को जिस तरह से प्रभावित किया है, उसे तो हम कई सालों पहले से जान रहे हैं, लेकिन अब हमें अपनी हेल्थ पर भी इसके असर दिखने लगे हैं।

बढ़ते हीट स्ट्रोक

हम सब जानते हैं कि ज्यादा तापमान में व्यायाम करने से शरीर में डिहाइड्रेशन होने और हीट स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है, इन दिनों ऐसा ही हो रहा है। पिछले दो सालों में यूरोप और अमेरिका में सबसे ज्यादा डिहाइड्रेशन और हीट स्ट्रोक के मामले सामने आए हैं। विशेष रूप से उन क्षेत्रों में, जहां पहले कभी हीट वेव नहीं चला करती थी। पेरिस, न्यूयॉर्क और लंदन में भी हाल के सालों में साइकिलिंग के दौरान लोगों में हीट स्ट्रोक के केसेस 5 से 15 फीसदी तक बढ़े हैं। न्यूयॉर्क में 2023 और 2024 में हीट स्ट्रोक की जितनी घटनाएं सामने आई हैं, पिछली सदी में उसके 10वें हिस्से के बराबर भी नहीं आई थीं। जाहिर है, ये बढ़ते तापमान का नतीजा है। यही वजह है कि यूरोप और अमेरिका के ज्यादातर शहरों में अब खासतौर पर जिम की नई गाइडलाइन में एक्सरसाइज के लिए शाम और सुबह को प्राथमिकता दी जा रही है।

बिगड़ती एयर क्वालिटी

दिल्ली और मुंबई समेत देश के कई मेट्रो शहरों में पिछले तीन सालों में वायु प्रदूषण बेहद खराब स्तर का हो गया है। दिल्ली में तो प्रतिवर्ष हवा की खराब गुणवत्ता के कारण इससे बीमार पड़ने और मरने वाले लोगों की संख्या में 10 हजार से 15 हजार के बीच इजाफा हुआ है। दिल्ली में पिछले पांच सालों से हवा औसतन साल के 300 दिन सामान्य से बहुत ज्यादा खराब रहती है। इसीलिए अब दिल्ली में स्वास्थ्य विशेषज्ञ, खासकर फिटनेस के जानकार, बूढ़े लोगों को सुबह के समय घर से बाहर घूमने जाने की सलाह नहीं देते हैं, क्योंकि दिल्ली में हवा इतनी प्रदूषित है कि घूमने से जो फायदे हो सकते हैं, उससे कहीं ज्यादा हेल्थ के लिए नुकसान होने की आशंका रहती है। दिल्ली जैसे वायु प्रदूषण से ग्रस्त शहर में सुबह के समय दौड़ने या खुली हवा में योग करने से सांस संबंधी बीमारियां बढ़ जाने का खतरा पैदा हो गया है। जिस तरह से ऐसे महानगरों की हवा प्रदूषित है, उससे फेफड़ों की क्षमता प्रभावित हो रही है। यही वजह है कि ऐसे प्रदूषित शहरों में कार्डियो वर्कआउट्स कम प्रभावी हो रहे हैं।

स्वस्थ रहने के लिए इन बातों पर करें अमल

वैज्ञानिक पिछले तीन दशकों से दुनिया भर के लोगों को आगाह कर रहे हैं कि प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ रहा है। बावजूद इसके ग्लोबल वार्मिंग कम करने के लिए जितने उपाय किए जाने चाहिए, वो नहीं हो रहे हैं। इसलिए स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि प्रदूषण का संकट इतना गहरा हो गया है कि अब इस स्थिति में रातों-रात सुधार नहीं हो सकता है। कहने का मतलब यह है कि अब हमें इसी खराब मौसम और ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों के साथ जीना है। ऐसे में ग्लोबल वार्मिंग के रहते हुए अपनी सेहत और फिटनेस का ध्यान रखने के लिए कुछ बातों पर अमल करना होगा-

- व्यायाम हमेशा सुबह या शाम के समय ही करें। जब तापमान और वायु गुणवत्ता दोनों बेहतर हों।
- आउटडोर एक्सरसाइज से बचें, क्योंकि इन दिनों प्रदूषण की स्थिति काफी बिगड़ी हुई है और ग्लोबल वार्मिंग से मिलकर यह प्रदूषण और भी नुकसान करता है। इसलिए घर के भीतर या जिम में ही व्यायाम को प्राथमिकता दें।
- गर्मी वाले महीने अप्रैल, मई, जून ही नहीं जुलाई और अगस्त के महीने तक भी व्यायाम करते समय सतर्क रहें। पर्याप्त मात्रा में पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स का सेवन करें।
- घर से बाहर निकलते समय हमेशा पॉल्यूशन मास्क जरूर लगाएं।
- घर और ऑफिस के भीतर एयर प्यूरीफायर का उपयोग करें।
- अपने घर, गार्डन या आस-पास के पार्क में पेड़ लगाने के साथ पर्यावरण को बेहतर बनाने की दिशा में भी छोटे-छोटे कदम उठाएं।
- पिछले एक दशक से लगातार वैज्ञानिकों की चेतावनियों के बावजूद प्राकृतिक संसाधनों के दुरुपयोग और अंधाधुंध विकास की भाग-दौड़ में हमारे इर्द-गिर्द की हवा, पानी, मिट्टी, खाद्य सामग्रियां, सब कुछ प्रदूषित, संक्रमित या ग्लोबल वार्मिंग के कारण असामान्य हो गई हैं। ऐसे में व्यायाम करने, खान-पान से लेकर जीवनशैली के तौर-तरीकों पर सजगता बरतनी होगी।

विशेष: पृथ्वी दिवस
22 अप्रैल

बिगड़ती मानसिक सेहत

ग्लोबल वार्मिंग के कारण सिर्फ शारीरिक परेशानियां ही नहीं बढ़ीं बल्कि मानसिक तनाव भी बहुत ज्यादा बढ़ गया है। हमारे

व्यायाम की आदतें बदल गई हैं। ग्लोबल वार्मिंग के कारण बढ़ता हीट स्ट्रोक और तनाव हमारे मानसिक स्वास्थ्य को लगातार प्रभावित कर रहा है। दरअसल, इस ग्लोबल वार्मिंग का असर हमारी फसलों के ऊपर और हमारे पोषण की गुणवत्ता पर भी पड़ा है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण कुछ फसलें कम पैदा हो रही हैं, खासकर प्रोटीन और मिनरल्स से भरपूर फ्रूट्स का उत्पादन घटा है और इनकी कीमतें बहुत बढ़ गई हैं। महंगे होने के कारण लोग आसानी से इन्हें नहीं खा पा रहे हैं। इससे भी हमारी मेंटल फिटनेस पर असर पड़ रहा है। ऐसे में स्वस्थ रहने के लिए हमें अपनी लाइफस्टाइल और डाइट का पूरा ध्यान रखना होगा। *

आत्मप्रेरणा

राजयोगी बीके निकुंज जी

यह जानते हुए भी कि धरती के संसाधनों का अति दोहन करने से हम सभी का अस्तित्व संकट में पड़ जाएगा, हम सचेत नहीं हो रहे हैं। अपनी धरती को बचाए रखने के लिए बिना देर किए हम सभी को प्रकृति संरक्षण के प्रभावी प्रयास करने होंगे।

पुकार रही है प्रकृति बचा लें अपनी धरती

सदियों से प्रकृति और यह धरती, कवियों और लेखकों के लिए आराधना और प्रशंसा का विषय रही है। इसीलिए जब हम कश्मीर की सुंदर घाटी को या फिर हिमालय से बहती हुई पावन नदी गंगा के प्रवाह को देखते हैं, तब मन ही मन हमें इस बात का अहसास होने लगता है कि सचमुच ही हम मनुष्य, शक्तिशाली प्रकृति की सामर्थ्य के समक्ष कितने तुच्छ और शक्तिहीन हैं! हम सभी इस तथ्य से परिचित हैं कि धरती मां, हमारा पालन-पोषण ठीक ऐसे ही करती है, जैसे कोई माता अपनी संतान का। आहार जुटाने से लेकर जीवन के लिए जरूरी अनेक कार्य प्रकृति पूरी तत्परता के साथ निभाती है। मान लीजिए, यदि वह अपने इस नित्य कार्य को करना बंद कर दे, तो फिर हम मनुष्यों का क्या हाल होगा, इसकी कल्पना भी हम नहीं कर सकते हैं।

बढ़ रही प्राकृतिक आपदाएं: पिछले डेढ़-दो दशक में समस्त संसार में हुई प्राकृतिक आपदाओं की घटनाओ को देखते हुए इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता हैं कि प्रकृति वर्तमान में हम मनुष्यों से बड़ी रुष्ट है और अगर हमने अपने आप में परिवर्तन नहीं किया तो उसके भयावह परिणाम सामने आ सकते हैं। हाल ही में भारत के कुछ पर्वतीय क्षेत्रों में बादल फटने की घटनाओं और भारी

बारिश के कारण स्थानीय लोगों को अपना घर छोड़कर सरकारी टेंटो में जाकर रहने की नौबत आई, जिसके चलते उनके मन में प्रकृति के प्रति शिकायत का भाव देखा गया। लेकिन हम इंसान अकसर यह भूल जाते हैं कि प्राकृतिक आपदाओं और धरती की बिगड़ती मौजूदा हालत के जिम्मेदार हम खुद ही हैं।

रोकनी होगी वृक्षों की कटाई: पर्यावरण विशेषज्ञों के मतानुसार बादल फटने की घटना का गहरा संबंध वन की अनियंत्रित कटाई से होता है, जिसे साधारण भाषा में वनोन्मूलन या डिफॉरेस्टेशन कहते हैं। वनस्पति विशेषज्ञों द्वारा किए गए अनुसंधान से यह सिद्ध हुआ है कि पहाड़ी इलाकों में आए दिन होने वाली बादल फटने की घटनाओं और उससे होने वाली तबाही को कम करने के लिए समुद्र तल से 4000 से 8000 फुट की ऊंचाई पर अधिक-से-अधिक वृक्ष लगाए जाने चाहिए। परंतु दुर्भाग्यवश पर्यटन में सुधार करने के लिए हम वृक्ष लगाने के बजाय, वृक्षों को काट रहे हैं और जंगलों का नाश कर रहे हैं, जिसका सीधा असर प्रति वर्ष नदी तटीय इलाकों में बसे गांव या शहरों में होने वाली बाढ़ के रूप में हमें देखने को मिलता है।

हम सब करें प्रकृति संरक्षण: श्रीमद भगवदगीता के तीसरे अध्याय में कहा गया है-

देवान्भावयतानेन ते देवा भावयन्तु वः।
परस्परं भावयन्तः श्रेयः परमवाप्स्यथ॥

अर्थात तुम सब यज्ञ कर्मों द्वारा देवताओं की उन्नति करो और वे देवता तुम लोगों की उन्नति करेंगे। अब यदि आज के समय में इस श्लोक का भावार्थ किया जाए तो देवताओं को प्रसन्न रखने का अभिप्राय यहां प्रकृति को संतुलित एवं व्यवस्थित रखने से भी है। ऐसा इसलिए क्योंकि प्रकृति, दैवीय शक्तियों की क्रीड़ा भूमि है और उसके अनुदानों से विश्व-वसुंधरा पुष्पित, पल्लवित होती तथा समुन्नत बनती है। इसलिए हम सभी मनुष्यों के लिए यह अनिवार्य है कि अपने कल्याणार्थ प्रकृति के साथ विवेकसम्मत व्यवहार करें और उसके आशीर्वाद का पात्र बनें न कि श्राप का। अच्छे कर्म का फल अच्छा मिलता हैं और बुरे का बुरा, यह सर्वविदित है। कहने को तो यह सिद्धांत पुराना पड़ गया है किंतु इसके पीछे छुपा तथ्य सनातन है और यह सिद्धांत सृष्टि के कण-कण में आज भी विद्यमान है। अतः यदि हम धरती मां के साथ सम्मानजनक व्यवहार करेंगे तो हमें उतना ही प्यार और स्नेह उनसे प्राप्त होगा। लेकिन अगर हम उसके संसाधनों का दुरुपयोग करना जारी रखेंगे, तो फिर हमें भूकंप, बाढ़, अकाल, भूस्खलन जैसे प्राकृतिक प्रकोपों का सामना करना ही पड़ेगा। *

संकट

नरेंद्र शर्मा

अब समय आ गया है कि हम सब पृथ्वी की बदतर होती स्थिति को लेकर केवल चिंता न प्रकट करें, उसे सुधारने के लिए कारगर कदम भी उठाएं।

चिंता जताने से नहीं सुधरेगी पृथ्वी की सेहत

हर साल 22 अप्रैल पृथ्वी दिवस के अवसर पर पूरी दुनिया के 190 से ज्यादा देश मिलकर पृथ्वी की दिनों-दिन बिगड़ती सेहत पर चिंता व्यक्त करते हैं, इसे सुधारने का आह्वान करते हैं, नई-नई नीतियां बनाते हैं, लेकिन नतीजा न केवल वही रहता है बल्कि लगातार धीरे-धीरे पृथ्वी की सेहत बद से बदतर होती जा रही है।

बीत गई आधी सदी: पहली बार 22 अप्रैल 1970 को अमेरिका में दुनिया के कई पर्यावरणविद जुटे थे और उन्होंने चेताया था कि अगर औद्योगिकीकरण के चलते हमारी नदियां इसी तरह कचरे से पटती रहीं, हवा में जहर इसी तरह घुलता रहा, पेड़ कटते रहे और ग्लेशियरों की बर्फ पिघलती रही, तो जल्द ही यह धरती इंसानों के रहने लायक नहीं बचेगी। जब वैज्ञानिकों ने पहली बार यह सब चेतावनी के तौर पर ऊंचे स्वर में कहा तो एक स्वाभाविक चिंता बनी और दुनिया की करीब-करीब हर सरकार ने पृथ्वी को बचाने के लिए संकल्प लिया। लेकिन इस सबके बाद भी नतीजा सकारात्मक बिल्कुल नहीं रहा। 1970 में वैज्ञानिकों ने पृथ्वी की सेहत को जिस तरह बिगड़ते हुए पाया था, इन 55 सालों में एक बार भी स्थिति उससे बेहतर नहीं हुई, लगातार पृथ्वी की सेहत खराब ही होती जा रही है।

बातें नहीं लेना होगा एक्शन: इस साल पृथ्वी दिवस पर पृथ्वी को बचाने के लिए विशेषज्ञों ने जिस थीम का आह्वान किया है, वह है-हमारी शक्ति, हमारा ग्रह। हमारी शक्ति से आशय सरकार, उद्योग या वैज्ञानिकों की शक्ति नहीं है बल्कि इसका भाव यह है कि ये हमारी आदतें, हमारा आचरण और ये हमारा उपभोग ही है, जो अंततः हमारी पृथ्वी की सेहत पर असर डालता है। कुल मिलाकर यह कि यह हमारी चुनाव की शक्ति है कि हमें वास्तव में पृथ्वी को बचाने के लिए कुछ करना है या बड़ी-बड़ी बातें ही करनी हैं। चूंकि पृथ्वी एक भौगोलिक क्षेत्र भर नहीं है, यह एक जीवंत ग्रह है, इसलिए अगर हमने पृथ्वी को बचाने के लिए किसी जीवित इंसान की तरह ईमानदारी से कोशिश नहीं किया तो जल्द ही वह समय आएगा, जब हमारी सारी समझदारी और सारी जानकारी के बावजूद पृथ्वी की हालत सुधरेगी नहीं।

सबसे बड़ा खतरा प्लास्टिक: आज की तारीख में धरती को सबसे ज्यादा खतरा प्लास्टिक से है। प्लास्टिक के खतरे को हम कई दशकों से जानते हैं और लगातार सरकारें प्लास्टिक के कम से कम इस्तेमाल का आह्वान करती रही हैं। भारत जैसे देश में तो हाल के कुछ सालों में कितनी ही बार प्लास्टिक के इस्तेमाल में तरह-तरह के प्रतिबंध लगे हैं, लेकिन हैरानी की बात यह है कि प्रकट रूप में प्लास्टिक से बचने के लिए दिन-रात किए जा रहे आह्वानों, प्रतिबंधों और नीतियों के बावजूद प्लास्टिक का इस्तेमाल घटने की बजाय दिन-पर-दिन बढ़ता ही जा रहा है। आज हर साल 40 करोड़ टन से भी ज्यादा प्लास्टिक का उत्पादन होता है और इसमें से 50 फीसदी सिंगल यूज प्लास्टिक होता है, जो पृथ्वी की सेहत के लिए सबसे खतरनाक है। धरती की तो छोड़िए अब समुद्र भी इस प्लास्टिक से पट गया है। सिर्फ जमीन और समुद्र ही नहीं दुनिया के किसी देश में शायद ही ऐसा खान-पान बचा हो, जिसमें बड़े पैमाने पर माइक्रोप्लास्टिक के टुकड़े घुल-मिल न गए हों। यहां तक कि नवजात शिशुओं के रक्त में भी प्लास्टिक के कण पाए गए हैं। आखिर ये स्थितियां किस बात की सूचक हैं? शायद इसी बात की कि हम चिंता तो खूब प्रकट करते हैं, आह्वान भी खूब करते हैं, लेकिन अमल बिल्कुल नहीं करते। ऐसे में भला पृथ्वी की सेहत सुधरेगी भी तो कैसे?

हवा-पानी सब प्रदूषित: देश की राजधानी दिल्ली समेत देश के कई महानगर अकसर भयावह वायु प्रदूषण से ग्रसित रहते हैं। यही हाल हमारी नदियों का भी है। गंगा, यमुना जैसी जीवनदायिनी नदियां, पर्यावरणविदों की दिन-रात जताई जा रही चिंता के बावजूद प्रदूषण से दम तोड़ रही हैं। पहले तो इनमें औद्योगिक ईकाइयों का गंदा पानी ही शामिल होकर इन्हें जहरीला बना रहा था, लेकिन अब तो हमारी इन नदियों में भी प्लास्टिक एक बड़ा खतरा बन गया है। जिस तरह से लगातार हिमालयी ग्लेशियर पिघल रहे हैं, उससे यह स्थिति कभी पैदा हो सकती है कि गंगा नदी सूख जाए या कि मौसमी नदी बन जाए।

हमारा संकट यह है कि हम एक तरफ जहां पृथ्वी के बिगड़ते स्वास्थ्य को देखकर चिंतित हो रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ हम अपने उपभोग का तौर-तरीका नहीं बदल रहे। अगर हमने अपने जीवनशैली से जरा भी समझौता नहीं किया तो पृथ्वी की सेहत को लेकर चाहे जितनी चिंता प्रकट करें, इसे बचा नहीं सकते। *

गजल

हबीब कैफी

क्या हुआ जो बात करना हमको आया ही नहीं
फिर भी चेहरे पर कोई चेहरा लगाया ही नहीं

आप तो क्या चीज हैं पत्थर पिघल जाते जनाब
गीत कोई दिल से अब तक हमने गाया ही नहीं

मुस्कुराया वो मेरे कुछ पूछने पर इस तरह
कुछ बताया भी नहीं लेकिन छुपाया ही नहीं

रोज आता है यहां वो रात के पिछले पहर
नींद से लेकिन कभी उसने जगाया ही नहीं

क्या डराएगा कोई साया हमें 'कैफी' यहां
उसके हम बंदे हैं साहिब जिसका साया ही नहीं

व्यंग्य / सूर्य कुमार पांडेय

आज तो गजब ही हो गया। मास्साब के सारे उसूल टूट गए। मजा मिलने लग जाए, तो उसूल चिटक ही जाते हैं।

मास्साब का डबल मजा

मास्साब वार्षिक परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं का कई दिनों से केंद्रीय कक्ष में सामूहिक मूल्यांकन कर रहे थे। लेकिन आज की कॉपी की जंचाई में मास्साब को बहुत मजा आया। वह प्रायः उत्तर पुस्तिकाएं पढ़कर नंबर नहीं दिया करते थे। उनके अपने कुछेक प्रिंसिपल्स थे। इनको मास्साब ने अपने ही विद्यालय के पूर्व प्रिंसिपल से उत्तराधिकार में ग्रहण किया था। मगर आज तो गजब ही हो गया। मास्साब के सारे उसूल टूट गए। मजा मिलने लग जाए, तो उसूल चिटक ही जाते हैं।

मास्साब कॉपियां जांचने बैठे। पहली उत्तर पुस्तिका खोली, तो उनकी आंखें ऐसी फैलनी शुरू हुईं कि वे सिकुड़ने का नाम ही नहीं ले रही थीं। मास्साब ने जेब से चश्मा निकाला। किसी तरह अपनी विजन की व्यापकता को कंट्रोल किया। दरअसल, मास्साब चक्षु बंद करके नंबरादि दिया करते थे, इसीलिए वह कॉपी जांचते टाइम चश्मा नहीं लगाते थे।

पहली ही उत्तर पुस्तिका का प्रथम पृष्ठ इतना मनमोहक! किसी फिल्मी पत्रिका के कलर्ड कवर को मात देता हुआ एक रंगीन हार्ट का चित्र अंकित था। मास्साब ने चश्मा नहीं उतारा। परीक्षार्थी की हैंड राइटिंग तो और भी ब्यूटीफुल थी। अंकित था, 'हे अंकस्वामी, मैंने आज अपना दिल खोलकर आपके सामने फैला दिया है। मेरा आगामी फ्यूचर आपके हाथ है। उबार लीजिए, चाहे डुबा दीजिए।' साथ में एक सौ रुपए का करारा नोट नत्थी था। मास्साब ने गहरी सांस ली। चतुर्दिक देखा। सहकर्मी परीक्षक परीक्षार्थियों का भविष्य दुरुस्त करने में तल्लीन थे। मास्साब की नीयत का मोर, मूल्यांकन कक्ष के जंगल में नाच उठा। जैसा कि होता है, जंगल में मोर नाचा, किसने देखा? सो किसी ने नहीं देखा। सौ का वह नोट मोरपंख बनकर मास्साब की जेब में घुस गया। आज की कॉपी जंचाई में मास्साब को सचमुच बड़ा मजा आया।

अगली तीन-चार कॉपियां ठीक-ठाक बच्चों की थीं। मास्साब को वे सब घामड़ लगे और महाबोर भी। उन्होंने थोड़े मार्क्स दे मारे। किंतु पांचवीं कॉपी झन्नाटेदार थी। उसमें लिखा हुआ था, 'हे संकटमोचक सर या मैडम (क्योंकि मुझे पता नहीं है), जब आप मेरे को भरपूर नंबरों से पास कर दीजिएगा, तब लास्ट पेज खोलिएगा। आपको पांच सौ रुपए का एक नोट दिखेगा। मैंने उत्तीर्ण होने की मनौती मान रखी है। आप भगवान को मेरी तरफ से प्रसाद जरूर चढ़ा दीजिएगा।'

मास्साब ने तत्काल उस विद्यार्थी की कॉपी में पूर्ण लब्धांक टांके। मंदिर कौन जाए? उन्होंने चपरासी को बुलाया और बगल के हलवाई के यहां से दो सौ रुपए के लड्डू मंगवाए। सहयोगी शिक्षक-शिक्षिकाओं के मध्य मिष्टान्न वितरण कराया। बाकी के लडडू घर के लिए अपने बैग के हवाले किए। आज मास्साब का मजा सचमुच डबल हो चुका था। *

लघुकथा / यशोधरा भटनागर

मैं चाहता हूं

'का का, खाना तैयार हो गया? सभी मेहमानों को पहले सॉफ्ट ड्रिंक्स और स्नैक्स दीजिएगा। मेहमान भी आते ही होंगे।' हाथ में ब्रेसलेट को लॉक करते हुए मैंने काका से पूछा।

'हओ बहू जी! बस अब्बई लगाए दे रहे।' लॉन का चक्कर लगा कर सारी तैयारियां देख लीं। रोशनी की झिलमिलाती लड़ियां भी सभी अपने-अपने स्थान पर जगमगा रही थीं। बेटे बंटू के जन्मदिन को हम खूब धूमधाम से मनाना चाहते हैं आखिर वह हमारा इकलौता बेटा है। अपने दादी-दादी सबका बहुत दुलारा है।

उत्सव की सारी तैयारियां हो चुकी थीं। मम्मी जी, पापा जी, रवि सभी रेडी होकर लॉन में लगी चेयर्स पर बैठे अपने-अपने मोबाइल फोन में व्यस्त थे। मुझे भी ऑफिस एक अर्जेंट मेल करना है। सुबह से समय ही नहीं मिला। जल्दी से वह काम भी कर लेती हूं। बंटू को भी रेडी कर दिया है। मेहमानों के आने तक और कोई काम भी नहीं है।

तभी मेरा ध्यान बंटू की ओर गया, झपझपाती लाइटों से चमचमाते पारिजात के पेड़ के नीचे गुमसुम बैठा हुआ है। 'बंटू बेटा, व्हाट हैप्पंड? टुडे इज योर बर्थ डे! सो एंज्वॉय बच्चे।' बंटू के गालों को प्यार से थपथपाते हुए मैंने कहा।

'किसके साथ?' सूनी आंखों से मुझे देखते हुए वह धीरे से बोला।

'ओह बंटू! मुझे बताओ आप क्या चाहते हो?' उसे मनाने के अंदाज में मैंने उससे पूछा। 'मम्मी मैं मोबाइल फोन बनना चाहता हूं। भगवान जी मुझे मोबाइल फोन बना देते तो मैं...।' 'व्हाट..!' मैं सिर से पैर तक झनझना उठी। *

परंपरा / शिखर चंद जैन

विशेषः विश्व पुस्तक दिवस, 23 अप्रैल

दुनिया भर के अनेक लोग पुस्तकें पढ़ने का शौक रखते हैं। पुस्तक पढ़ने की प्रवृत्ति को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न देशों में कुछ अनोखी और आकर्षक साहित्यिक परंपराएं निभाई जाती हैं। आइए जानते हैं कुछ ऐसी परंपराओं के बारे में।

दुनिया भर में मशहूर पुस्तक प्रेम की अनोखी परंपराएं

क्रास्नोयार्स्क पुस्तक संस्कृति मेला रूस

अपनी अनोखी पुस्तक-संबंधी प्रदर्शनियों और प्रतिष्ठानों के लिए प्रसिद्ध रूस का यह मेला साइबेरिया की सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करता है और विभिन्न साहित्यिक विधाओं के अन्वेषण को प्रोत्साहित करता है। साइबेरिया के आश्चर्यजनक परिदृश्यों के बीच स्थित, रूस का क्रास्नोयार्स्क पुस्तक संस्कृति मेला, साहित्यिक समारोहों की दुनिया में बहुत महत्व रखता है। यह मेला, न केवल लिखित शब्दों का उत्सव मनाता है, बल्कि क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को भी संजोता है। रूसी साहित्य, स्वदेशी कहानी और अंतरराष्ट्रीय प्रभावों के अनूठे मिश्रण के साथ यह मेला पुस्तक प्रेमियों और संस्कृतिकर्मियों के लिए एक अनूठा अनुभव प्रदान करता है। विविध पुस्तक स्टालों से भरे व्यस्त बाजारों से लेकर साहित्यिक परिदृश्य पर गहन विचार-विमर्श तक, आगंतुकों को शब्दों की दुनिया में एक गहन यात्रा का आनंद मिलता है। *

जोला बोका फ्लड आइसलैंड

आइसलैंड के अधिकांश लोग नियमित रूप से किताबें पढ़ते हैं। वे किताबें लिखने में भी आगे रहते हैं। जोला बोका फ्लड के नाम से मशहूर 'क्रिसमस बुक फ्लड' समारोह साल के अंत में एक हफ्ते तक आयोजित होता है, जिसमें आइसलैंड के नागरिक एक-दूसरे को किताबें उपहार में देते हैं। अकसर क्रिसमस की पूर्व संध्या पर, इन पुस्तकों का आदान-प्रदान किया जाता है और फिर तुरंत पढ़ा जाता है। जोला बोका फ्लड, वाक्यांश खरीदी गई नई पुस्तकों की 'बाढ़' को भी संदर्भित करता है। आइसलैंडवासी कहते हैं, 'एड गंगा मेड बोक आई मैगनम', जिसका भावार्थ होता है 'हर किसी के अंदर एक किताब होती है।' *

पढ़ने के साथ आनंद के पल स्वीडन

स्वीडिश लोग आराम के समय किताबें पढ़ना सबसे अधिक पसंद करते हैं। खासतौर पर सर्दियों की लंबी, अंधेरी रातों में स्वीडिश लोग गर्म पेय के साथ कंबल के नीचे दुबके हुए अपनी पसंदीदा किताब पढ़ना खूब पसंद करते हैं। स्वीडन में स्थित अधिकतर पुस्तकालय, अकसर रीडिंग नाइट्स की मेजबानी करते हैं, जिससे सामुदायिक जुड़ाव और साहित्य के प्रति साझा प्रेम को बढ़ावा मिलता है। *

पाठकों की पुस्तक परियां इटली

इटली निवासी अपनी पढ़ी हुई किसी किताब को अपने पास डंप नहीं करते हैं। जब वे अपनी खरीदी हुई पुस्तक पढ़कर समाप्त करते हैं तो पुस्तक को वापस शेल्फ पर रखने के बजाय, वे इसे विशेष स्टिकर और हरा रिबन लगाकर किसी और के लिए सार्वजनिक स्थल पर छोड़ देते हैं। इन किताबों को ट्रेन स्टेशनों, कॉफी की दुकानों, पार्क की बेंचों और अन्य जगहों पर छोड़ दिया जाता है ताकि कोई दूसरा पाठक इन्हें पाकर पढ़ सके। इन्हें पुस्तक परियां कहते हैं। कुछ लोग अपनी किताबों को पार्क की बेंचों के नीचे, स्टोर के साइन बोर्ड के पीछे या बस स्टेशनों में छिपाकर रखना पसंद करते हैं। ताकि उस किताब का दीवाना कोई पाठक उसे पाकर पढ़ सके। पढ़ने के बाद वह फिर से रिबन को लपेटकर अन्य पाठक के लिए दूसरी जगह रख सकता है या पुस्तक को अपने निजी पुस्तकालय के लिए सहेज सकता है। *

स्टोन सूप हैप्पी रीडिंग एलायंस चीन

चीनी प्राथमिक विद्यालयों में बेहतर साहित्यिक निर्देश और संस्कृति के प्रचार-प्रसार के लिए 2007 में स्थापित, स्टोन सूप हैप्पी रीडिंग एलायंस का मिशन है 'पढ़ने को वैसा बनाना है जैसा कि होना चाहिए- खुशहाल, मुफ्त और स्वैच्छिक।' छात्र अपनी पसंद की विशिष्ट सामग्री चुनने के लिए स्वतंत्र हैं। किताबों की गाड़ियां कक्षाओं

से पुस्तकालयों तक लाई जाती हैं और शिक्षक अकसर अपने छात्रों को रोचक पुस्तकें खुद पढ़कर सुनाते हैं। इच्छुक छात्र उन किताबों से प्रेरित होकर नाटक या नाटकीय व्याख्याएं लिखते हैं और उन पर अभिनय भी करते हैं, जो उन्होंने पढ़ी होती है। *

नैनोविमो, संयुक्त राज्य अमेरिका

नैनोविमो आयोजन के तहत लोगों को 30 दिनों में 50,000 शब्दों का उपन्यास लिखने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। 1999 में एक पर्सनल डेवलपमेंट चैलेंज के रूप में शुरू हुआ यह कार्यक्रम इंटरनेट पर एक पॉपुलर इवेंट बन गया है। आधिकारिक तौर पर नैनोविमो, एक गैर-लाभकारी संगठन है, जो पूरे देश और दुनिया के लेखकों को मजेदार कार्यशालाओं, युक्तियों और ऑनलाइन फोरम के माध्यम से जोड़ता है। यह फोरम उपयोगकर्ताओं को अन्य लेखकों से प्रश्न पूछने, टेंप्लेट एक्सेस करने और कार्यशालाओं के लिए साइन अप करने की अनुमति देते हैं। कोई भी व्यक्ति, चाहे वह शेफ हो या मैकेनिक, घर पर रहने वाले माता-पिता या शिक्षक, इसमें भाग ले सकते हैं। *

पुस्तक प्रेमियों की सबसे पसंदीदा जगह होती है, पुस्तकालय, जहां जाकर वे मनचाही किताबें पढ़ते हैं। यहां हम आपको एक ऐसी लाइब्रेरी के बारे में बता रहे हैं, जो अपने पाठकों तक खुद पहुंचती है। जानिए, उत्तराखंड की अनोखी घोड़ा लाइब्रेरी के बारे में।

दूर-दराज तक किताबें पहुंचाती घोड़ा लाइब्रेरी

अनोखी पहल

डॉ. दीपक कोहली

घोड़ा लाइब्रेरी से अपनी मनपसंद किताबें चुनते युवा पाठक

लाइब्रेरी, यानी पुस्तकालय। एक ऐसी जगह, जहां ज्ञान-विज्ञान, साहित्य, कला, दर्शन आदि अनेक विषयों से संबंधित पुस्तकों को सहेजकर रखा जाता है। वैसे तो दुनिया में एक से बढ़कर एक पुस्तकालय हैं। लेकिन आज हम आपको एक ऐसे चलते-फिरते पुस्तकालय के बारे में बता रहे हैं, जो अपने अनूठेपन के कारण पुस्तक प्रेमियों के बीच बहुत चर्चित है।

कहां है घोड़ा लाइब्रेरीः उत्तराखंड के नैनीताल की 'घोड़ा लाइब्रेरी' अपने अनूठे शिक्षा अभियान विस्तार कार्यक्रम के लिए लोगों के बीच चर्चित हो रही है। वैसे तो यह मुख्य रूप से बच्चों के लिए शुरू की गई लाइब्रेरी है, लेकिन अपने अनोखेपन के कारण बड़ों के बीच भी कौतुक का विषय बना हुआ है। बच्चों के साथ-साथ बड़े भी इस लाइब्रेरी का लाभ उठाते हैं।

ऐसे नाम पड़ाः इस पुस्तकालय का नाम घोड़ा लाइब्रेरी इसलिए पड़ा क्योंकि एक घोड़ा अपनी पीठ पर किताबों की गठरी लेकर नैनीताल के कई गांवों में घूमता रहता है। घोड़ों के जरिए सड़क से दूर बसे दुर्गम गांवों के बच्चों के लिए किताबें पहुंचाई जा रही हैं। इनमें कोर्स की किताबों के साथ मनोरंजक और ज्ञानवर्धक साहित्य एवं पत्रिकाएं भी शामिल होती हैं।

ऐसे हुई शुरुआतः उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में दूरदराज के हिस्सों में, जहां सामान्य जीवन की जरूरतों को पूरा करना कठिन है। ऐसे में स्कूली छात्रों को उनकी जरूरत की किताबें मुहैया कराना बेहद मुश्किल होता है। साथ ही पत्रिकाएं और साहित्य पढ़ने में रुचि रखने वाले लोगों के लिए भी पत्र-पत्रिकाएं आमतौर पर उपलब्ध नहीं हो पाती हैं। ऐसे में उत्तराखंड के सुदूरवर्ती गांवों के बच्चों और बड़ों तक कोर्स की किताबों के साथ-साथ विभिन्न विषयों की किताबें और पत्र-पत्रिकाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए स्थानीय निवासी शुभम बधानी के दिमाग में इस अनोखी लाइब्रेरी को शुरू करने का आइडिया आया। बधानी का कहना है कि इस प्रोजेक्ट के तहत पहले उन गांवों को चुना गया, जो मुख्य सड़क से दूर स्थित हैं। जहां पहुंचने के लिए पहाड़ी नालों और झरनों को पैदल पार करना पड़ता है। तय किया गया कि इन गांवों में घोड़ों पर रखकर किताबें पहुंचाई जाएं।

कैसे काम करती है लाइब्रेरीः इस लाइब्रेरी के संचालन के बारे में शुभम बधानी बताते हैं कि वे गांव के शिक्षकों और स्वयंसेवकों के साथ बच्चों से मिलकर पहले उनकी रुचि समझते हैं और उसी के अनुसार किताबें लेकर आते हैं। घोड़ा लाइब्रेरी का घोड़ा कई गांवों में उन लोगों के लिए रुकता है, जो पढ़ने के इच्छुक हैं। साप्ताहिक ट्रिप के माध्यम से एक ट्रिप में बच्चों को किताबें भेजी जाती हैं और अगले ट्रिप में दी गई किताबें वापस ले ली जाती हैं और नई किताबें उन्हें उपलब्ध कराई जाती हैं।

सुदूरवर्ती गांवों तक है पहुंचः आज उत्तराखंड के नैनीताल में सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में इस लाइब्रेरी का भरपूर लाभ उठाया जा रहा है। हर वर्ग के छात्र और उनके अभिभावक भी इस अद्वितीय पोर्टेबल लाइब्रेरी का उपयोग कर रहे हैं। गांवों में बच्चों को अब पुस्तकें और अन्य अध्ययन सामग्री मिलने लगी हैं।

मिसाल है यह प्रयासः शहरी क्षेत्रों की बात करें, तो वहां लोगों को अपना ज्ञान बढ़ाने के लिए तमाम साधन उपलब्ध होते हैं, जैसे- टीवी, विशाल पुस्तकालय, कार्यशालाएं, प्रशिक्षण संस्थान इत्यादि। इनके माध्यम से शहरी निवासियों को तमाम जानकारी आसानी से मिल जाती हैं। लेकिन सुदूरवर्ती ग्रामीण इलाकों में रहने वाले बच्चों और बड़ों के लिए इन सुविधाओं की उपलब्धता मुश्किल है। अभी भी सैकड़ों दूर-दराज के गांव ऐसे हैं, जो इंटरनेट से नहीं जुड़े हैं। अभी भी लाखों बच्चे हैं, जो बाहरी दुनिया के बारे में जानने के लिए उत्सुक हैं। ऐसे में उत्तराखंड के सुदूरवर्ती गांव के लोगों के हाथ में अच्छी किताबों का आना, किताबें पढ़ने का मौका मिलना एक सपने के सच होने जैसा है।

शिक्षा के प्रचार-प्रसार और पढ़ने की आदत विकसित करने की दिशा में शुभम बधानी की 'घोड़ा लाइब्रेरी' अत्यंत महत्वपूर्ण और उपयोगी है। बच्चों के माता-पिता और अन्य ग्रामीणों की भागीदारी की वजह से यह अभियान दिनों-दिन सफल हो रहा है। *

सक्सेस मंत्रा

अंजू जैन

दुनिया के सफलतम लोगों की जीवनयात्रा पर निगाह डालें तो पाएंगे कि उन सभी में अपने काम के प्रति भरपूर प्यार रहा है। सफलता पाने के लिए लगन और समर्पण कितना मायने रखता है, आप जरूर जानना चाहेंगे।

काम से करें प्यार तो सफलता मिले अपार

कई बार मन में सवाल उठता है कि दुनिया में कुछ ही लोग इतने सफल, चर्चित और समृद्ध क्यों होते हैं, जबकि ज्यादातर लोग एक औसत और गुमनाम सा जीवन जीते हैं? इसकी कई वजहें होती हैं, इनमें से कुछ के बारे में यहां जानते हैं।

कर्म को मानते हैं पूजा

वैसे तो दुनिया में लगभग सभी लोग अपनी आजीविका के लिए या नाम कमाने के लिए कुछ न कुछ काम करते हैं। लेकिन कुछ लोग ज्यादातर लोगों से बहुत आगे निकलकर अपने क्षेत्र में, कुछ अपने जिले या राज्य में और कुछ लोग इससे भी आगे बढ़कर देश और दुनिया में अपनी एक अलग पहचान बना लेते हैं। उनके पास नाम, शोहरत, पैसा, सफलता सब कुछ होता है। जानते हैं क्यों? क्योंकि ये उन ज्यादातर लोगों में से नहीं होते, जो बेमन या मजबूरी में अपने काम को करते हैं। ये उन चंद लोगों में से होते हैं, जो अपने काम में पूरी तन्मयता से डूबे रहते हैं। दिन-रात उल्लास और उमंग से मेहनत करते हैं और धैर्यपूर्वक अच्छे नतीजे का इंतजार करते हैं। ऐसे लोगों का जीवनमंत्र होता है- कर्म ही पूजा है।

अपने काम से करें प्यार

आज के समय में सुनीता विलियम्स जैसी अंतरिक्ष यात्री हों या विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे खिलाड़ी, अंबानी, टाटा और अडानी जैसे उद्योगपति हों या अमिताभ बच्चन, शाहरुख जैसे एक्टर, इन्हें कौन नहीं जानता! ऐसे कई सारे लोग दुनिया में हैं, जो विश्वविख्यात हैं और सफलता के चरम पर हैं। हर कोई जानता है कि उनकी जिंदगी, काम और राह आसान कभी नहीं थे। इन्होंने अपने जीवन में अभूतपूर्व कठिन और जटिल परिस्थितियों का सामना किया। हार-जीत और आशा-निराशा के भंवर से न जाने कितनी बार जूझे हैं। कई बार इन्होंने खुद को उल्लास, उमंग, प्रशंसा और सफलता के शिखर पर महसूस किया और कई बार ऐसा भी महसूस किया कि मानो सब कुछ समाप्त हो चुका है और वे इतने नीचे जा चुके हैं कि आगे कुछ भी नहीं बचा। लेकिन इन्होंने कभी यह नहीं कहा कि मुझे यह सब अच्छा नहीं लगता या काम में मेरा मन नहीं लगता। जानते हैं क्यों? क्योंकि इन्होंने अपने काम से जी भर कर प्यार किया, उसे ही अपना सब कुछ समझा और हमेशा धैर्य बनाए रखा। इसलिए आज सफल और महान लोगों की सूची में इनका नाम है। हाल ही अंतरिक्ष में करीब 9 महीने तक विषम परिस्थितियों में रहकर लौटी सुनीता विलियम्स ने कहा है, 'अगर आप मन लगाएं, दृढ़ संकल्प रखें और कोई रास्ता खोजें तो आप जो करना चाहें कर सकते हैं। आप कभी खुद को किसी चीज में जकड़ा हुआ महसूस ना करें। कुछ ऐसा खोजें जो आपको पसंद है। जैसे ही वह मिल जाए, आप उसे पूरे मन से अच्छी तरह करें, बस यही महत्वपूर्ण है।'

सकारात्मक दृष्टिकोण है जरूरी

सफलता और सुकून सकारात्मकता से ही मिलते हैं। सकारात्मक दृष्टिकोण वाले व्यक्ति अगर सफलता के शिखर पर हैं और समस्याओं का बेहतर तरीके से समाधान कर पाते हैं तो यह कोई जादू नहीं है बल्कि सीधा सरल विज्ञान है। इसका संबंध हमारे मस्तिष्क की क्षमताओं और इमोशनल इंटेलिजेंस से है। यह नतीजा 30 वर्षों के शोध से प्राप्त हुआ है, जो नॉर्थ कैरोलिना की पॉजिटिव इमोशंस लैबोरेट्री की प्रोफेसर बारबरा फ्रेडरिक के नेतृत्व में हुआ है। ब्रेन न्यूरॉन्स की आवाजाही पर आधारित अध्ययन बताते हैं कि सकारात्मक लोगों के मस्तिष्क का वेंट्रल टैगमैंटल एरिया अधिक सक्रिय होता है, जो उन्हें आशावादी बनाता है। सकारात्मक लोगों के ब्रेन के सर्किट्स उन्हें नए विचारों के लिए खुला बनाते हैं। हमारा सामाजिक व्यवहार कैसा होगा से लेकर हम समस्याओं को कैसे सुलझाते हैं, यह सब ब्रेन सर्किट से ही तय होता है। अपने मस्तिष्क को सकारात्मकता के लिए अधिक सक्षम बनाने के लिए निरंतर सकारात्मक दृष्टिकोण वाली भाषा का इस्तेमाल करना, चीजों के उजले पहलुओं को देखना और ऐसे सवाल पूछना जरूरी है, जो किसी भी परिस्थिति में सर्वश्रेष्ठ हल खोज कर उन्हें बेहतर बनाने पर केंद्रित हों। किसी ने बिल्कुल सही कहा है, परिस्थिति से सोच नहीं बनती बल्कि सोच से परिस्थिति बनती है।

मेहनत के साथ समर्पण जरूरी

जिन लोगों ने इस दुनिया में सफलता, नाम, दौलत और शोहरत पाई है, उन्होंने अपने काम को जी-जान से चाहा है। उस्ताद बिस्मिल्लाह खान हों या अल्बर्ट आइंस्टीन, रतन टाटा हों या स्टीव जॉब्स, ये सभी अपने काम के प्रति पूर्ण समर्पित थे। ये सभी अपने काम को जुनून की हद तक चाहते थे। आपको यह मान कर चलना चाहिए कि आपकी प्रतिभा और आपका जीवन ईश्वर का अनमोल उपहार है। परफेक्शन और अच्छा नतीजा निरंतर एक्शन और समर्पण से ही आता है। अपना काम कीजिए और बाकी ईश्वर पर छोड़ दीजिए। यही महान धर्म ग्रंथ 'गीता' में भी कहा गया है। *

बड़ा पर्दा

हेमंत पाल

भक्ति के अनेक तरीकों में से एक है भक्ति गीतों यानी भजन के माध्यम से ईश्वर को याद करना। अनेक हिंदी फिल्मों में फिल्माए गए भक्ति गीतों को लोग आज भी नहीं भूल पाए हैं। घरों और मंदिरों में ये गीत श्रद्धा-भक्ति के साथ सुने-सुनाए जाते हैं। भक्ति गीतों से सजी ऐसी ही कुछ फिल्मों पर एक नजर।

भक्ति-गीतों से सजी यादगार हिंदी फिल्में

आज भी लोकप्रिय है फिल्म 'सुहाग' का भक्ति गीत

दर्शकों को खूब पसंद आई फिल्म 'जय संतोषी मां'

भगवान की भक्ति के लिए गीत या भजन गाना और सुनना बहुत लोकप्रिय है। फिल्मों में अकसर दिखाया जाता है कि किस तरह एक भजन सारे बुरे हालात बदल देता है। खास बात यह भी कि धार्मिक फिल्मों में ही भक्ति गीत हों, यह जरूरी नहीं। कई मल्टीस्टार एक्शन और रोमांटिक फिल्मों में भी ऐसे कई भक्ति गीत फिल्माए गए, जो लोकप्रिय हुए और आज भी इन्हें सुना जाता है।

शुरुआती दौर से जारी है सिलसिलाः फिल्म इतिहास के पन्ने पलटे जाएं, तो हम पाते हैं कि ब्लैक एंड व्हाइट फिल्मों के जमाने से ही भक्ति गीतों को फिल्मों में शामिल किया जाता रहा है। उस दौर की कुछ फिल्मों के भक्ति गीत और भजन आज भी इतने लोकप्रिय हैं कि तीज-त्योहार पर ये बजते सुनाई देते हैं। फिल्मों ने ऐसे कई भजन और भक्ति गीत दिए हैं, जिन्हें सुनकर और गाकर कुछ पलों के लिए हम अपने दुःख भूल जाते हैं। ऐसी स्थिति में मन में विश्वास की एक ज्योति जल उठती है।

भरपूर सफल हुई 'जय संतोषी मां': धार्मिक फिल्मों और उसके प्रसिद्ध भक्ति गीतों की बात करें, तो 'जय संतोषी मां' को एक मिसाल के तौर पर देखा जा सकता है। 1975 में आई कम बजट की फिल्म 'जय संतोषी मां' को अपार सफलता मिली थी। इस फिल्म की गिनती अब तक की श्रेष्ठ ब्लॉकबस्टर फिल्मों में होती है। फिल्म की अपार सफलता में इस फिल्म के सभी गीतों का भी बड़ा योगदान था। उषा मंगेशकर, महेंद्र कपूर और मन्ना डे ने कवि प्रदीप के लिखे भक्ति गीत गाए थे। 'करती हूं तुम्हारा व्रत मैं स्वीकार करो मां', 'यहां-वहां जहां-तहां मत पूछो कहां-कहां', 'मैं तो आरती उतारूं रे', 'मदद करो संतोषी माता', 'जय संतोषी मां', 'मत रो मत रो आज राधिके', फिल्म के सभी गीत उन दिनों तो खूब प्रचलित हुए ही, आज भी सुने जाते हैं। लोगों में इस फिल्म एवं इसके कलाकारों के प्रति भक्ति-भाव का ये आलम था कि फिल्म में माता संतोषी का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस अनीता गुहा को लोग पूजने लगे थे। 'जय संतोषी मां' में अभिनय करने वाले महिपाल ने भी अपने जीवन काल में 'संपूर्ण रामायण', 'वीर भीमसेन', 'वीर हनुमान', 'हनुमान पाताल विजय', जैसी सफल धार्मिक फिल्मों में काम किया। उन्होंने अपने करियर में भगवान राम, कृष्ण, गणेश और विष्णु का किरदार इतनी बार निभाया कि असल जिंदगी में भी लोग इन्हें पूजने लगे थे।

'सुहाग' का यादगार भक्ति गीतः 1979 में अमिताभ बच्चन और शशि कपूर की फिल्म 'सुहाग' आई थी, जिसमें मां दुर्गा की भक्ति पर गाया गया भजन 'नाम रे सबसे बड़ा तेरा नाम ओ शेरोवाली' काफी लोकप्रिय हुआ था। फिल्म के इस भक्ति-गीत में अमिताभ और रेखा ने गरबा भी किया था। आशा भोसले और मोहम्मद रफी की आवाज ने इस गीत को यादगार बना दिया। आज भी नवरात्र और देवी पूजन के अन्य अवसरों पर यह गीत सुनाई देता है।

लंबी है फेहरिस्तः शुरुआत से लेकर अब तक की हिंदी फिल्मों की

बात करें, तो भक्ति गीतों से सजी हिंदी फिल्मों की लंबी फेहरिस्त है। याद किया जाए तो ऐसे कालजयी भक्ति गीतों में 1965 में आई फिल्म 'खानदान' के गीत 'बड़ी देर भई नंदलाला तेरी राह तके बृजबाला' को रखा जा सकता है। इस भजन को सुनील दत्त पर फिल्माया गया था। राजेंद्र कृष्ण के लिखे इस भजन को मोहम्मद रफी ने गाया था। जन्माष्टमी के अवसर पर अभी भी ये गीत गूंजता है। उससे पहले 1952 में आई फिल्म 'बैजू बावरा' का गीत मोहम्मद रफी की हिंदू भजनों के प्रति लगाव का सबसे बेहतर प्रमाण कहा जा सकता है। 'ओ दुनिया के रखवाले, सुन दर्द भरे मेरे नाले' के बोल आज भी किसी दुखी व्यक्ति का चेहरा सामने ले आते हैं। शकील बदायूंनी के लिखे इस गीत में नौशाद ने संगीत दिया था। 1954 में आई फिल्म 'तुलसीदास' के गीत 'मुझे अपनी शरण में ले लो राम' को भी मोहम्मद रफी ने अपनी आवाज दी और बीते जमाने के विख्यात संगीतकार चित्रगुप्त ने इसे संगीत से सजाया था। गीत में राम को आराध्य मानकर अपना सब कुछ अर्पण करने की बात कही गई है।

ये तो बस कुछ उदाहरण मात्र हैं। ऐसे कितने ही भक्ति गीत हैं, जिसने फिल्म की सफलता में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका तो निभाई ही, आस्थावान दर्शकों एवं भक्तों के हृदय में भक्ति-भाव को भी प्रबल किया। *